राहुल गांधी आज भी उसी बालक... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

इश्क दम और इडली रसम खाना... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 49 | गाजियाबाद / शनिवार 23 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान-बांग्लादेश सीमा पर 'स्मार्ट बॉर्डर' सुरक्षा सिस्टम लागू होगा, ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे लगेंगे

- अमित शाह बोले- हर अवैध घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले एक साल के भीतर पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी करीब 6000 किलोमीटर लंबी सीमा पर 'स्मार्ट बॉर्डर' सुरक्षा सिस्टम लागू करेगी। इसके तहत ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे और दूसरी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सीमा की निगरानी मजबूत की जाएगी, ताकि घुसपैठ और तस्करी को पूरी तरह रोका जा सके।

दिल्ली में बीएसएफ के रुसतमजी मेमोरियल लेक्चर और बीएसएफ इन्वेस्टिचर सेरेमनी को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सरकार की अवैध घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति है। उन्होंने कहा कि देश में मौजूद हर अवैध घुसपैठिए की पहचान की जाएगी और उसे वापस भेजा जाएगा।

पेट्रोल-डीजल पर वेट घटा सकते हैं राज्य

- तेलंगाना में सबसे ज्यादा लगता है टैक्स, 10 तक एक्साइज ड्यूटी घटा चुका केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की तैयारी कर रही है। केंद्र सरकार जल्द ही राज्यों से पेट्रोल और डीजल पर वैल्यू एडेड टैक्स (वेट) कम करने की अपील कर सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा शासित 22 राज्यों में वैट में कटौती की पूरी संभावना है। डीजल की कीमतों को नियंत्रित करना प्राथमिकता है, क्योंकि इसका सीधा असर परिवहन, खेती और उद्योग जगत पर पड़ता है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच फिर से तनाव बढ़ने के कारण कच्चे तेल की बढ़ रही हैं। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1.9 प्रतिशत बढ़कर 104.52 प्रति बैरल पर पहुंच गया है। ऐसे में बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले महीने ही पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई थी। हालांकि, इसके बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में 3.90 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी।

बंगाल में सोना पप्पू के खिलाफ केस में ईडी ने 9 जगह छापा मारा

पूर्व डीसीपी के घर ताला तोड़कर घुसी टीम

कोलकाता (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर नए छापे मारे। ये छापे कोलकाता पुलिस के गिरफ्तार अधिकारी शांतनु सिन्हा बिस्वास और कथित अपराधी बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत मारे गए। उन्होंने बताया कि कोलकाता और मुर्शिदाबाद में कुल नौ जगहों पर छापे मारे जा रहे हैं। इन जगहों में मोहम्मद अली उर्फ मैक्स राजू, बिस्वास के भतीजे सौरव अधिकारी, बिस्वास के एक करीबी सहयोगी और कोलकाता पुलिस में सब-इंस्पेक्टर रुहिल अमीन अली और मुर्शिदाबाद में बिस्वास के घर शामिल हैं।

राजस्थान में सबसे आधुनिक ड्रोन का सफलतापूर्वक परीक्षण

- बीच रास्ते बदल सकता है टारगेट, 100किमी रेंज, डेढ़ घंटे दुश्मन के इलाके में उड़ सकता है

जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में आत्मघाती ड्रोन वायु अस्त्र-1 का सफल परीक्षण किया गया है। ये ड्रोन दुश्मन के इलाके में डेढ़ घंटे तक टारगेट के लिए उड़ सकता है। इसके बाद हलचल मिलते ही हमला कर देता है।

वहीं, इसी आधुनिक ड्रोन का टारगेट बदला या हमला रोका भी जा सकता है। पुणे की निजी डिफेंस टेक्नोलॉजी कंपनी नाइब लिमिटेड ने अपने स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम (आत्मघाती ड्रोन) वायु अस्त्र-1 का पहला टेस्ट किया। मीडिया के अनुसार ये टेस्ट पोकरण में 18 और जोशीमठ (उत्तराखंड) में 19 अप्रैल 2026 को किया गया था।

- **रेगिस्तान और पहाड़ों में हुए टेस्ट-** पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में रेतीले धोरों के बीच इसकी एंटी-पर्सनल (दुश्मन के सैनिकों और ठिकानों को तबाह करने की) मारक क्षमता और सटीक निशानेबाजी का परीक्षण किया गया। जोशीमठ-मलारी (उत्तराखंड) में 14,000 फीट से अधिक की दुर्गम ऊंचाई और शून्य से नीचे के तापमान वाले पहाड़ी क्षेत्र में इसके हाई-एल्टीट्यूड एंड्यूरेंस (ऊंचाई पर उड़ान भरने की क्षमता) को परखा गया।
- **100 किमी दूर का टारगेट हिट-** टेस्ट में वायु अस्त्र-1 ने अपनी पहली ही कोशिश में 100 किलोमीटर दूर का टारगेट हिट किया। इस ड्रोन ने 10 किलोग्राम वजनी विस्फोटक के साथ उड़ान भरी थी।

- भारत-साइप्रस के बीच द्विपक्षीय वार्ता

पीएम मोदी बोले- समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंध

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और साइप्रस के संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के बीच नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की दोस्ती न केवल मजबूत है, बल्कि भविष्य की जरूरतों और संभावनाओं के अनुरूप भी है। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्री समेत दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के संबंध समय की कसौटी पर बार-बार खरे उतरे हैं और अब इन्हें नई दिशा देने के लिए रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया जा रहा है।

नमाज नहीं, जुमे पर सिर्फ जय सियाराम की गूंज

- 700 साल बाद भोजशाला में हिंदू कर रहे अखंड पूजा
- मुस्लिम समाज ने बांधी काली पट्टी, बंद रहीं दुकानें, धार में 2 हजार पुलिसकर्मी थे तैनात

धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला में करीब 700 साल बाद परिसर में नमाज नहीं, सिर्फ पूजा हुई। भोज उत्सव समिति ने शुक्रवार को वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित कर दर्शन-पूजन कराया। मंदिर में सुबह से बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी थी। वाग्देवी मंदिर में कारसेवकों के परिजनों का सम्मान भी किया गया।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने 15 मई को भोजशाला को मंदिर घोषित किया था। मुस्लिम समाज ने फैसले के विरोध में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। अपनी दुकानें भी बंद रखीं। वहीं सुरक्षा के लिए करीब 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

समिति ने कहा- भोजकालीन वैभव और स्वरूप लौटाएंगे- भोज उत्सव समिति के संरक्षक अशोक जैन ने कहा- आज का दिन बेहद ऐतिहासिक है। 721 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद आज हिंदू समाज पूरे स्वाभिमान और सम्मान के साथ भोजशाला में मां सरस्वती का पूजन और महाआरती करेगा। साल 1305 ई. में मुगल आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी ने इस मंदिर पर अवैध कब्जा कर इसे अपवित्र कर दिया था, जिसके बाद से हिंदू समाज निरंतर संघर्ष कर रहा था।

- **फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मुस्लिम पक्ष-** इधर, हाईकोर्ट के फैसले से निराश मुस्लिम पक्ष गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। आदेश को एकतरफा बताते हुए काजी मोइनुद्दीन ने गुरुवार रात करीब 8:30 बजे विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल की है। मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में दस्तावेज और साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। शहर काजी वकार सादिक ने कहा- जब सुप्रीम कोर्ट से राहत और स्टे मिलेगा, तब मुस्लिम समाज सम्मान के साथ पहले की तरह नमाज अदा करेगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि सभी समुदाय शांति और सौहार्द बनाए रखें। शहर हमारा अपना है, इसलिए अमन और भाईचारे को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार को भेजा तीन मांगों का प्रतिवेदन- इससे पहले 19 मई को हिंदू समाज ने विजय महासत्याग्रह मनाया था। सुबह 8:55 बजे सरस्वती स्तुति के बाद हनुमान चालीसा और महाआरती की गई। महासत्याग्रह भोज उत्सव समिति ने उन लोगों को समर्पित किया, जिनकी भोजशाला आंदोलन में जान चली गई या जेल गए थे।

दोपहर में ही करीब एक घंटे तक आतिशबाजी की गई। संकल्प लिया गया कि जल्द ही लंदन से मां वाग्देवी की मूल प्रतिमा लाकर भोजशाला में स्थापित की जाएगी। अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार को तीन सूत्रीय मांग का प्रतिवेदन भेजा गया है। इसमें पहली मांग वाग्देवी की प्रतिमा वापस लाने के लिए ठोस कदम उठाने की है।

ट्विशा केस में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

एम्स दिल्ली की टीम करेगी दोबारा पोस्टमार्ट्म, समर्थ की अग्रिम जमानत अर्जी वापस

जबलपुर(एजेंसी)। भोपाल के हाई-प्रोफाइल ट्विशा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में हाईकोर्ट की सुनवाई के दौरान कई अहम घटनाक्रम सामने आए हैं। मामले के मुख्य आरोपी समर्थ सिंह की ओर से उसके अधिवक्ता ने अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने का निवेदन किया, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए याचिका निरस्त कर दी। जानकारी के अनुसार अब समर्थ सिंह भोपाल कोर्ट में सरेंडर कर सकता है। सुनवाई के दौरान ट्विशा के मायके पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता तुषार मेहता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपना पक्ष रखा। उन्होंने मामले की गंभीरता और निष्पक्ष जांच का हवाला देते हुए दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

दोबारा होगा पोस्टमार्टम, कोर्ट को सौंपेंगे सीलबंद रिपोर्ट- मृतका का शव लंबे समय से सुरक्षित रखे जाने के कारण उसकी स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आदेश के अनुसार अब दिल्ली एम्स की विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भोपाल पहुंचकर नए सिरे से पोस्टमार्ट्म करेगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सीधे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी, ताकि जांच प्रक्रिया की गोपनीयता और निष्पक्षता बनी रहे।

एनसीईआरटी किताब विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने 2 महीने पुराना आदेश बदला

- 'करप्शन इन ज्यूडीशियरी' चैप्टर लिखने वाले नहीं हटाए जाएंगे, कहा- केंद्र-राज्य फैसला करें

नईदिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी बुक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' चैप्टर पर हुए विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने दो महीने पहले दिया फैसला बदल दिया है। 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि जिन तीन शिक्षाविदों ने विवादित हिस्सा लिखा। उन्हें हटा दिया जाए और दोबारा काम न दिया जाए। अब शुक्रवार को तीनों शिक्षाविदों की याचिका पर कोर्ट ने आदेश बदलते हुए कहा कि केंद्र, राज्य, यूनिवर्सिटी और सरकारी फंड पाने वाले संस्थान इस मामले में खुद फैसला लें। मामले में जिन 3 शिक्षाविदों का नाम आया था। उनमें प्रोफेसर मिशेल डैनिनो, सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार शामिल हैं। पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इन लोगों ने जानबूझकर तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया और छात्रों के सामने न्यायपालिका की नकारात्मक छवि दिखाई। अब कोर्ट ने यह टिप्पणी वापस ले ली है।

- **सीबीएसई की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे पेरेंट्स, जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच करेगी सुनवाई-** शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सीबीएसई की थ्री लैंग्वेज पॉलिसी को 19 लोगों के एक ग्रुप ने चुनौती दी। जिसमें स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और टीचर्स शामिल हैं। ये याचिका क्लास 9वीं में थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू किए जाने के विरोध दायर की गई। इसके खिलाफ स्ष्ट अलगे हफ्ते सुनवाई करेगा। सीबीएसई ने 15 मई को एकेडमिक सेशन 2026-27 से थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने का सर्कुलर जारी किया था। इसका नोटिफिकेशन 1 जुलाई से लागू होगा और स्टूडेंट्स को 31 मई तक तीसरी लैंग्वेज चुनने का समय दिया गया है। सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने इस मामले में पेरेंट्स की तरफ से पक्ष रखा। जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बैच इस पर सुनवाई करेगी।

दुनिया के सबसे गर्म 22 शहरों में सभी भारत के

- यूपी के 13 शहर, देश के 35 शहरों में रात में भी गर्म हवाएं चलीं
- ट्रैक्टर-ट्रॉली को स्वीमिंग पूल बनाया, बांदा में ट्रैफिक सिग्नल बंद, कूलिंग सेंटर बनाए, राममंदिर में दरी बिछाई गई

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश को अगले 3 दिन तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। एक्यूआई वेदर के मुताबिक शुक्रवार दोपहर 3 बजे दुनिया के 22 सबसे गर्म शहरों में पारा 47डिग्री से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। यह सभी शहर भारत के हैं। इनमें 13 शहर उत्तर प्रदेश के हैं। ओडिशा का बोलांगीर और बिहार का सासाराम सबसे ज्यादा गर्म रहा।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक देश के 35 शहरों में गुरुवार को रात का पारा 30डिग्री से ऊपर रहा।

एक्यूआई वेदर के मुताबिक, दोपहर 3 बजे दुनिया के सबसे गर्म शहरों में 13 यूपी के हैं। पारा 47डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इनमें वाराणसी, जौनपुर, अयोध्या, प्रयागराज, मुरादाबाद, मिर्जापुर शामिल हैं। बांदा में चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल बंद कर पुलिस की तैनाजी की गई है। ताकि लोगों को झुलसती धूप में रेड लाइट में खड़ा न होना पड़े। जगह-जगह कूलिंग सेंटर बनाए गए हैं। कूलर और ठंडे पानी के इंतजाम किए गए हैं। गोरखपुर में लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को स्वीमिंग पून बना लिया। काशी में बाबा विश्वनाथ का 24 घंटे जलाभिषेक किया जा रहा है। अयोध्या में भक्तों के लिए लाल मैट बिछाई गई है।

- **बिहार-5वीं तक के स्कूल बंद, 3 की बिजली गिरने से मौत** - बिहार के पटना और गयाजी में गर्मी के कारण 22 से 26 मई तक 5वीं तक के स्कूल बंद किए गए हैं। वहीं, राज्य के मधेपुरा और सहरसा में बारिश हुई, इस दौरान बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को पूरा प्रदेश तेज धूप और लू की चपेट में है।
- **राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट** - राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी। असम, मेघालय, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है। बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान और तेलंगाना में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गर्म और उमसभरा मौसम बना रह सकता है। केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और झारखंड में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान की चेतावनी दी गई है।

सीएम धामी बोले-

देवभूमि में सड़कों पर नमाज की इजाजत नहीं, चारधाम यात्रियों को न हो कोई परेशानी

देहरादून (एजेंसी)। सड़कों पर नमाज पढ़ने को लेकर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बाद अब सीएम धामी का भी बयान सामने आया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सड़कों पर नमाज़ पढ़ने की इजाज़त होनी चाहिए। हमने कहा कि नमाज तय जगह पर ही पढ़ी जानी चाहिए। किसी को भी इस व्यवस्था में बाधा डालने का अधिकार नहीं है।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में चारधाम यात्रा चल रही है। इसलिए इस समय सड़कों को धार्मिक प्रदर्शनों का जरिया बिल्कुल भी नहीं बनने दिया जाएगा। हमने तय किया है कि किसी भी कीमत पर हमारे राज्य में आने वाले सनातनी और चारधाम तीर्थयात्रियों को कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए।

10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 18 जून को

- सबसे ज्यादा आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटें

नईदिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को 18 जून को राज्यसभा की 24 सीटों के लिए चुनावों की घोषणा की। राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 10 राज्यों में होंगे, जहां मौजूदा सदस्य 21 जून से 19 जुलाई के बीच अलग-अलग तारीखों पर रिटायर हो रहे हैं। राज्यसभा चुनाव आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटों पर मध्य प्रदेश और राजस्थान में तीन-तीन सीटों पर; झारखंड में दो सीटों पर; और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट पर होंगे। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 8 जून है।

राहुल गांधी आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे

–केंद्रीय मंत्री ने कहा– वे अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा को महसूस नहीं कर रहे

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि वे देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक होने और संसद में नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठने के बावजूद अपने पद की प्रतिष्ठा, गरिमा और उत्तरदायित्व को महसूस नहीं कर पा रहे हैं। शेखावत ने कटाक्ष किया कि बच्चा तो बड़ा हो गया, लेकिन बुद्धि अभी बच्चे जैसी ही बनी है। वे आज भी उसी बालक बुद्धि मानसिकता के साथ बर्ताव कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आज पूरी वैश्विक व्यवस्था चरमराई हुई है। दुनिया एक टर्बुलेंट जियोपॉलिटिकल सिचुएशन से गुजर रही है। विश्व अब मल्टीपोलर हो चुका है। ऐसे संकट के समय में पूरी दुनिया भारत की तरफ देख रही है और हर देश भारत को अपना पार्टनर बनाने के लिए आतुर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह बेहद सफल यात्रा देश के व्यापक हितों और भविष्य के विकसित भारत के निर्माण के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक रही है। इस दौरान कटिंग एज टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, डिफेंस इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, नॉर्डिक देशों के साथ वॉटर टेक्नोलॉजी और नॉर्वे के साथ मोबिलिटी एग्रीमेंट जैसे बेहद अहम समझौते हुए हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के हितों के संरक्षण के लिए पीएम मोदी का यूनाइटेड अरब अमीरात का दौरा भी रणनीतिक रूप से बहुत अहम था।

शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से उस बालक बुद्धि ने देश के व्यापक हितों से जुड़े इन गंभीर और ऐतिहासिक वैश्विक समझौतों को लेकर भी बचकानी टिप्पणियां कीं। गैर- जिम्मेदाराना बयानबाजी की और देश में एक फॉल्स नैरेटिव खड़ा करने की नाकाम कोशिश की। शेखावत ने पूर्व पीएम राजीव गांधी से जुड़ा एक उदाहरण सामने रखा। उन्होंने याद दिलाया कि जब तत्कालीन पीएम राजीव गांधी श्रीलंका के दौरे पर थे और गार्ड ऑफ ऑनर के समय उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी, तब बीजेपी विपक्ष में थी और सदन में बीजेपी के 121 सांसद थे, जो कांग्रेस के मौजूदा 99 सांसदों की संख्या से कहीं बड़े थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद हमने उस हमले को किसी एक दल या नेता पर नहीं, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा और संप्रभुता पर हमला माना था। बीजेपी ने पूरी ताकत के साथ तत्कालीन कांग्रेस सरकार का साथ दिया था और उसकी कड़ी निंदा की थी। भारत में यह परंपरा रही है कि पीएम जब भी देश से बाहर जाते हैं तो सभी दल देश के व्यापक हितों को सर्वोपरि रखते हैं और कभी उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं करते, लेकिन आज राहुल गांधी इस महान परंपरा को मटियामेट कर रहे हैं। शेखावत ने कहा कि देश की जनता अब उनके इस रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है। हाल में पांच राज्यों में हुए चुनावों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता ने चार राज्यों में कांग्रेस को नकार दिया है। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी की इसी बच्चा बुद्धि और कमजोर लीडरशिप के कारण कांग्रेस अब सिमटते-सिमटते दक्षिण में सिर्फ केरल और उत्तर में हिमाचल प्रदेश जैसे एक छोटे से राज्य तक ही सीमित रह गई है। शेखावत ने कहा कि जिस तरह की मानसिकता के साथ कांग्रेस की लीडरशिप काम कर रही है, अब तो बस इसी बात का इंतजार है कि जनता कब इन्हें राजनीतिक हाशिए से भी पूरी तरह खत्म कर देगी।

थिरुवनचूर राधाकृष्णन चुने गए केरल विधानसभा के स्पीकर, सभी दलों ने दी बधाई

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सात बार के कांग्रेस विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को शुक्रवार को केरल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। यह चुनाव एक ऐतिहासिक त्रिकोणीय मुकाबले के बाद हुआ, जिसने राज्य में नए राजनीतिक समीकरणों को उजागर किया। केरल विधानसभा के स्पीकर पद के चुनाव में पहली बार ऐसा हुआ है कि सदन में प्रतिनिधित्व करने वाले तीनों राजनीतिक गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। सत्तारूढ़ यूडीएफ ने अनुभवी विधायक थिरुवनचूर राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया जबकि वाम मोर्चे ने पूर्व मंत्री एसी मोइदीन को मैदान में उतारा और एनडीए ने अपने तीन सदस्यीय दल के सदस्य बीबी गोपकुमार को प्रत्याशी बनाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेम स्पीकर जी सुधाकरण ने रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका निभाई और मतदान में हिस्सा नहीं लिया। कुल 139 विधायकों ने मतदान किया। परिणाम घोषित करते हुए उन्होंने बताया कि राधाकृष्णन को 101 वोट मिले, मोइदीन को 35 और गोपकुमार को 3 वोट मिले। घोषणा के बाद सदन में जोरदार मेज-थपथाई गई और दलों के सदस्य उन्हें बधाई देने आगे आए। एक प्रतीकात्मक और संसदीय परंपरा को दर्शाने वाले दृश्य में सीएमए वीडी सतीशन और विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने संयुक्त रूप से नए स्पीकर को उनकी कुर्सी तक पहुंचाया। सीएम सतीशन ने उन्हें विनम्र और परिपक्व व्यवहार वाला आदर्श नेता बताते हुए कहा कि वे पहले छात्र आंदोलन के दिनों में भी उनके लिए नारे लगाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि राधाकृष्णन ने करीब 17 विभाग संभाले हैं और अपने क्षेत्र के विकास पर लगातार ध्यान दिया है। विजयन ने भी उनके लंबे संसदीय और सार्वजनिक जीवन के अनुभव की तारीफ की और विश्वास जताया कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाएंगे।

नारनौल में पारदी गैंग का एनकाउंटर : सात बदमाश पकड़े गए, दो घायल

-पकड़े गए सभी आरोपी मध्यप्रदेश के निवासी

गुरुग्राम (एजेंसी)। नारनौल में सीआईए (क्राइम इंस्टिगेशन एजेंसी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय पारदी गैंग के सात शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हुड्डा सेक्टर के पास हुई साहसिक मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी, इसके बाद उन्हें इलाज के लिए महेंद्रगढ़ अस्पताल में भर्ती किया गया। यह पखवाड़े भर में हुई एनकाउंटर की दूसरी घटना है, जो एसपी के बदमाशों के खिलाफ सख्त एक्शन को दर्शाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब सवा तीन बजे सीआईए को सूचना मिली थी कि यह गैंग नारनौल में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाली है। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी नियंत्रित फायरिंग की। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मध्य प्रदेश निवासी हैं। इनमें से एक पर 15,000 रुपये और दूसरे पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। करीब एक पखवाड़े पहले यही गैंग भिवानी और महेंद्रगढ़ में रात के समय रेकी करते हुए सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ था। पुलिस को अंदेशा है कि इस गैंग के पकड़े जाने से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के घर पर हुए हमले की वारदात का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस ने मौके से एक स्वचालित पिस्तौल, देसी कट्टा, कारतूस, वारदात में इस्तेमाल होने वाली गुलेलें, सरिया और वायर कटर भी बरामद किए हैं। पुलिस फिलहाल बदमाशों से गहन पूछताछ कर रही है।

पश्चिम बंगाल : टीएमसी नेताओं पर कार्रवाई तेज, वासूल गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव के बाद से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में, टीएमसी मजदूर संघ इकाई के अध्यक्ष शेख वासूल को लोगों को डराने-धमकाने, धोखाधड़ी करने और चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोपों में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के लाउदोहा इलाके से देर रात छापा मारकर शेख वासूल को पकड़ा। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी नेता वासूल पर नौकरी दिलाने के झूठे वादे करके लोगों से मोटी रकम वसूलने और इलाके में अपना दबदबा बनने के लिए भय का माहौल पैदा करने का आरोप है। सूत्रों ने दावा किया कि उस पर विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने का दबाव बनाने के आरोप थे, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ा था। गिरफ्तारी के वक्त वासूल ने खुद को निर्दोष बताकर कहा कि वह 15 साल से पार्टी में है और उसके खिलाफ पहले कभी कोई शिकायत नहीं हुई। बताया जाता है कि उसके खिलाफ लंबे समय से कई शिकायतें दर्ज थीं। शुक्रवार सुबह वासूल को दुर्गापुर उपमंडल न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई तब हुई है, जब राज्य में राजनीतिक बदलाव के बाद से टीएमसी नेताओं पर केंद्रीय एजेंसियों की पकड़ मज़बूत हुई है। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस को नगर निगम भर्ती घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया था, जो हालिया बड़ी गिरफ्तारियों में से एक थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, बोस पर दक्षिण दमदम नगर पालिका के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए करीब 150 उम्मीदवारों की सिफारिश करने के बदले आर्थिक लाभ लेने का आरोप है। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि उसने कथित तौर पर कई लोगों को नगर निगम में नौकरी दिलाने में मदद करने के बदले फ्लैटों के रूप में अपराध की आय अर्जित की थी। जांचकर्ताओं ने दावा किया है कि उनसे जुड़े बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा है। बोस को इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश होने के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया था।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, पंजाब सरकार का बड़ा अभियान

चंडीगढ (एजेंसी)। आवारा कुत्तों और पशुओं से बढ़ते खतरों पर सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद पंजाब सरकार हरकत में आई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की है कि राज्य में बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कल से आवारा तथा खतरनाक कुत्तों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू होगा। मुख्यमंत्री मान ने इस फैसले के लिए सर्वोच्च न्यायालय का धन्यवाद भी किया है। सीएम मान के अनुसार, पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर व्यापक कार्रवाई करेगी। इस घोषणा के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। संबंधित विभागों को तत्काल तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय, जबकि ग्रामीण इलाकों में पशुपालन तथा पंचायत विभाग मिलकर इस अभियान को अंजाम देंगी। यह अभियान सड़कों, राजमार्गों, स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि इन क्षेत्रों से आवारा कुत्तों की मौजूदगी रोकना प्रशासन की सीधी जिम्मेदारी है। पकड़े गए पशुओं को निर्धारित आश्रय स्थलों में रखा जाएगा, जहाँ उनके लिए भोजन, पानी और चिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था होगी। शीर्ष अदालत ने संस्थानों को अपने परिसरों की मजबूत घेराबंदी करने, नोडल अधिकारी नियुक्त करने और कुत्तों की नसबंदी तथा टीकाकरण के बाद उन्हें दोबारा उन्हीं परिसरों में न छोड़कर निर्धारित डॉग शेल्टर में रखने का भी निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु चौबीस घंटे गश्त करने वाली विशेष टीमें गठित करने और हेल्पलाइन नंबर वाले बोर्ड लगाने के आदेश दिए गए हैं। सभी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन का पर्याप्त भंडार रखने तथा स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हर जिले में कम से कम एक पशु जन्म नियंत्रण केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने चेतावनी दी है कि आदेशों के पालन में लापरवाही होने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

दिल्ली में हर कहीं नहीं दे सकते कुर्बानी

–नहीं माने तो होगी सख्त कार्वाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बकरीद के मद्देनजर दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने पशु कल्याण संबंधी कानूनों का सख्ती से पालन करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली की सड़कों, गलियों, बाजारों या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर कुर्बानी देने और पशुओं की खरीद-बिक्री करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कुर्बानी केवल सरकार द्वारा निर्धारित वैध स्थलों पर ही की जा सकेगी। विकास मंत्री ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में गाय, बछड़े, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित पशुओं की हत्या या कुर्बानी पर पूरी तरह रोक है।

यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है और ऐसा करने वालों पर सीधे आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विकास मंत्री ने अवैध पशु परिवहन, अवैध कुर्बानी और पशु क्रूरता के मामलों में विशेष निगरानी रखने और कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।सरकार ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा, स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी सख्त हिदायत दी गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि कुर्बानी के बाद कचरे को नालियों और सड़कों पर फेंकने या सीवर में वेस्ट और खून बहाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इससे गंदगी और बीमारियां फैलने का खतरा रहता है, इसलिए ऐसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने आम जनता से भी इन नियमों का पालन करने की अपील की है। मंत्री ने कहा कि यदि कोई भी व्यक्ति इन गाइडलाइंस का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है, तो नागरिक तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दें ताकि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सके।

भोजशाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर, आदेश के बाद पढ़ेंगे नमाज

–अब्दुल समद ने कहा– मुस्लिम समाज ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया

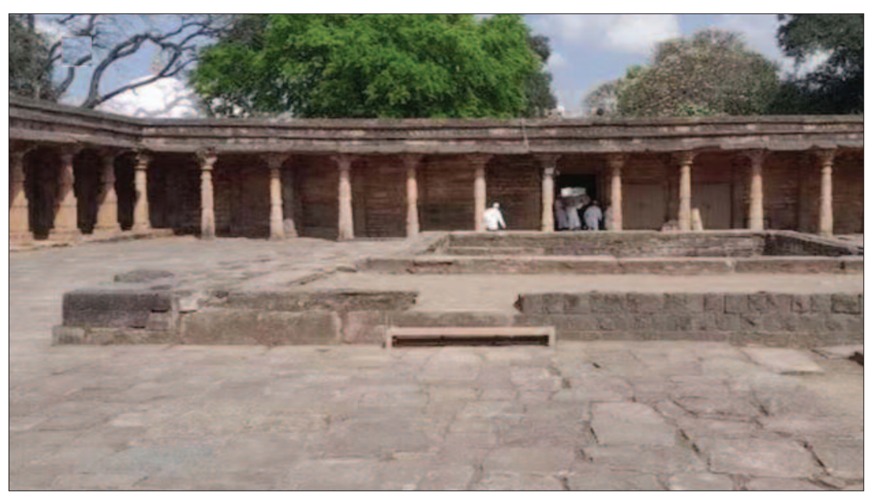

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला को लेकर बड़ा बदलाव सामने आया है। हाईकोर्ट ने 15 मई को दिए गए अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मंदिर बताया है। वहीं, इस फैसले के बाद अब मुस्लिम समाज को यहां नमाज पढ़ने की परमिशन नहीं दी गई है। यह पहला शुक्रवार है जब भोजशाला में जुम्मे की नमाज नहीं होगी। इस फैसले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए परिसर और आसपास पुलिस बल तैनात है। प्रशासन ने इलाके में शांति बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम उठाए हैं। कोर्ट के आदेश के मुताबिक शुक्रवार के दिन हिंदू समुदाय को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है और वे पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने कहा कि उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। उन्होंने बताया कि जो मुद्दा वे हाईकोर्ट में नहीं उठा सके, उसे अब सुप्रीम कोर्ट के जरिए रखा जाएगा। उनका कहना है कि वे यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि वहां लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वे फिर से नमाज शुरू करेंगे। उन्होंने सभी से शांति बनाए रखने की अपील की। सोसाइटी ने हमेशा सौहार्द और शांति का पालन किया है और आगे भी इसी तरह शांति बनाए रखेगी। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के इस फैसले को गलत बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। समद खान ने कहा कि मुस्लिम समाज न्यायालय के फैसले का सम्मान करता है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस मामले में एसएलपी दायर कर दी गई है और जल्द ही स्टे मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक सुप्रीम कोर्ट से कोई नया आदेश नहीं आता, तब तक मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में नमाज नहीं पढ़ेगा और लोग अपने घरों या नजदीकी मस्जिदों में जुम्मे की नमाज अदा करेंगे।

वहीं शहर काजी वकार सादिक ने भी कहा कि समाज शांति बनाए रखे और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है और वहां से जो भी फैसला आएगा, उसका पालन किया जाएगा। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि भोजशाला एक मंदिर और संस्कृत शिक्षा का केंद्र रहा है। इसके साथ ही परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का नियंत्रण जारी रहेगा। इस फैसले के बाद से क्षेत्र में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू

– सिलीगुड़ी में नई सरकार के फैसले से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

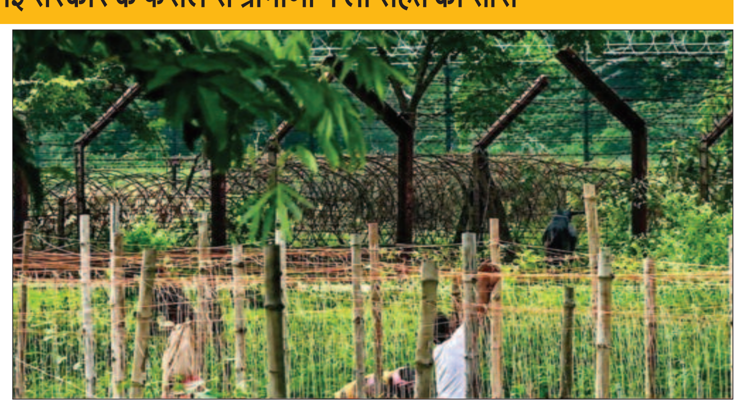

सिकंदराबाद (एजेंसी)। सिलीगुड़ी (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में सिलीगुड़ी अनुमंडल के फांसीदेवा क्षेत्र में शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीली बाड़ (फेंसिंग) लगाने का काम शुरू हो गया। यह कदम राज्य सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 27 किलोमीटर भूमि के साथ-साथ बॉर्डर आउटपोस्ट और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए अतिरिक्त जमीन सौंपने के बाद उठाया गया है। इससे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था काफी मजबूत होने की उम्मीद है। इस विकास कार्य से स्थानीय सीमावर्ती निवासियों ने भारी राहत व्यक्त की है। लंबे समय से असुरक्षा का सामना कर रहे ग्रामीणों ने इसे एक बड़ा और जरूरी कदम बताया। स्थानीय निवासी अनिल घोष ने कहा, इस सीमावर्ती इलाके में पहले सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं थी। यहां का माहौल इतना खौफनाक था कि बयां नहीं किया जा सकता। हम मवेशी तक नहीं पाल सकते थे, क्योंकि उन्हें पालने का मतलब बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के हवाले करना था। यह सिर्फ बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा का मामला था। आज नई सरकार और नए मुख्यमंत्री के प्रयासों से हम खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक अन्य ग्रामीण नारायण साहा ने बताया कि पहले की मांगें अनसुनी कर दी गई थीं, लेकिन सुवेंदु अधिकारी के कार्यभार संभालते ही महज 10 दिनों के भीतर बीएसएफ को खुली छूट मिल गई, जिससे अब लोग चैन की नींद सो सकेंगे। ग्रामीण शिवम मोदक ने भी इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद अहम बताया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय के बाद यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने जमीन देने में सहयोग नहीं किया, जिससे सीमा सुरक्षा प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में ही जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया गया था, जिसे 45 दिनों के भीतर केंद्रीय गृह मंत्रालय को सौंप दिया जाएगा ताकि बीएसएफ बाड़ लगाने का काम पूरा कर सके।

कॉकरोच जनता पार्टी से चुनाव लड़ने का मन है : अब्बास अंसारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्वांचल के राजनीतिक गलियारों में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मऊ सदर सीट से विधायक और दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सबको चौंका दिया है। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचे अब्बास अंसारी से जब साइकिल के सिंबल पर चुनाव लड़ने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि उन्हें कॉकरोच जनता पार्टी पसंद आ रही है और वह इसी के सिंबल पर चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। विधायक का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते अब्बास अंसारी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि एक कॉकरोच पार्टी आई है और वह सोच रहे हैं कि क्यों न उसी से चुनाव लड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इस काल्पनिक पार्टी के मुद्दे उन्हें काफी पसंद आ रहे हैं और उनके कई जानने वाले लोग इसमें शामिल भी हो चुके हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से हंसते हुए कहा कि अगर यहाँ इसका कोई कार्यालय खुला हो, तो उन्हें भी सदस्यता दिला दी जाए। दरअसल, अब्बास अंसारी ने जिस कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जिक्र किया, वह कोई वास्तविक राजनीतिक दल नहीं है। यह सोशल मीडिया पर शुरू हुआ एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान (डिजिटल मूवमेंट) है, जिसे विदेश में रहने वाले एक भारतीय युवक अभिजीत दिपके ने शुरू किया था। युवाओं के बीच यह अभियान बेहद कम समय में काफी लोकप्रिय हो गया है। अब्बास अंसारी लंबे समय के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय नजर आए हैं। वह सबसे पहले पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसपी कमलेश बहादुर से मुलाकात कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति सौंपी और जिला प्रशासन को अपने क्षेत्र भ्रमण की जानकारी दी। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी के कार्यालय पहुंचे और जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ करीब एक घंटे तक बैठक की। अब्बास अंसारी ने स्पष्ट किया कि अब वह अपने विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही क्षेत्र में उनकी यह सक्रियता अचानक बढ़ गई है।

जल्द खत्म हो जाएगा पेट्रोल-डीजल? एलपीजी के लिए मचेगा हाहाकार!

–बाबा वेंगा की डरा रही है भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस वक्त पूरा विश्व बड़े ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त थी, और अब अमेरिका व ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस संकट को और गहरा कर रहा है। भू-राजनीतिक तनाव के इस माहौल के बीच, बुल्गारिया की भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की एक कथित भविष्यवाणी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसने आम जनमानस की चिंताओं को बढ़ा दिया है। अतीत में उनकी कई भविष्यवाणियों के सच होने के दावों के कारण लोग इस नई चेतावनी को लेकर भी आशंकित हैं।

इंटरनेट पर चल रहे दावों के अनुसार, बाबा वेंगा ने वर्ष 2026 के लिए एक बड़ी चेतावनी दी थी, जिसके मुताबिक दुनिया को एक भीषण ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में अत्यधिक कमी आने की बात कही गई है। वर्तमान परिस्थितियों को देखें तो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की आशंका इस डर को और पुख्ता कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रणनीतिक जलमार्ग बाधित होता है, तो यातायात के साधनों में ठहराव आ सकता है।

इस संकट का असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि एलपीजी और सीएनजी की कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इसका सीधा असर आम आदमी की रसोई के बजट पर पड़ रहा है। कई देशों में डीजल के लिए वाहनों की लंबी कतारें लगी हैं, वहीं ढाबों और होटलों में जरूरत के मुताबिक गैस सिलेंडर न मिलने से मुश्किलें बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि जब तक ईरान-अमेरिका संघर्ष पर विराम नहीं लगता, तब तक वैश्विक सप्लाई चेन का सामान्य होना मुश्किल है। हालांकि, बाबा वेंगा की इन भविष्यवाणियों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियां इस संकट को हकीकत में बदलती हुई दिखा रही हैं।

विजयनगर जोनल कार्यालय में चल रहे कार्यों का नगर आयुक्त ने अधिकारियों सहित किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विजयनगर जोनल कार्यालय में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।विजयनगर जोनल कार्यालय की बिल्डिंग में टैक्स विभाग के अलावा निर्माण विभाग, जलकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रकाश विभाग, उद्यान विभाग सभी विभाग के अधिकारी के बैठने की व्यवस्था की गई है, जिसको तत्काल प्रभाव से शुरू करने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को दिए गए। आगंतुकों हेतु बैठने की व्यवस्था और शीतल पेयजल की व्यवस्था को तत्काल शुरू करने के लिए भी निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने जनगणना के कार्य में भी नए विजयनगर जोन कार्यालय का उपयोग करने के निर्देश दिए। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी, प्रभारी नजारत डॉक्टर अनुज, कार्यदायी संस्था सीएनडीएस से रंजीत व विजयनगर जोनल प्रभारी श्वेता सिंह व अन्य उपस्थिति रहे। नगर आयुक्त ने निरिक्षण के साथ विजयनगर क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं भी सुना, जिसमें सड़क निर्माण को प्रारंभ करने का समस्या प्राप्त हुई। आगंतुकों की समस्याओं पर तत्काल कार्य करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिए गए। गली का निर्माण कार्य नियम अनुसार कार्यवाही करते हुए तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए। विजयनगर जोन कार्यालय में फर्नीचर का कार्य के साथ-साथ सीटिंग के कार्य को भी तेजी से करने के निर्देश दिए गए। 10 दिन में विजयनगर जोनल कार्यालय का शुभारंभ करने के आदेश दिए।

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विजयनगर जोनल कार्यालय में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।विजयनगर जोनल कार्यालय की बिल्डिंग में टैक्स विभाग के अलावा निर्माण विभाग, जलकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रकाश विभाग, उद्यान विभाग सभी विभाग के अधिकारी के बैठने की व्यवस्था की गई है, जिसको तत्काल प्रभाव से शुरू करने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को दिए गए। आगंतुकों हेतु बैठने की व्यवस्था और शीतल पेयजल की व्यवस्था को तत्काल शुरू करने के लिए भी निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने जनगणना के कार्य में भी नए विजयनगर जोन कार्यालय का उपयोग करने के निर्देश दिए। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी, प्रभारी नजारत डॉक्टर अनुज, कार्यदायी संस्था सीएनडीएस से रंजीत व विजयनगर जोनल प्रभारी श्वेता सिंह व अन्य उपस्थिति रहे। नगर आयुक्त ने निरिक्षण के साथ विजयनगर क्षेत्र के निवासियों की समस्याओं भी सुना, जिसमें सड़क निर्माण को प्रारंभ करने का समस्या प्राप्त हुई। आगंतुकों की समस्याओं पर तत्काल कार्य करने के निर्देश निर्माण विभाग को दिए गए। गली का निर्माण कार्य नियम अनुसार कार्यवाही करते हुए तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए। विजयनगर जोन कार्यालय में फर्नीचर का कार्य के साथ-साथ सीटिंग के कार्य को भी तेजी से करने के निर्देश दिए गए। 10 दिन में विजयनगर जोनल कार्यालय का शुभारंभ करने के आदेश दिए।

स्काडा प्रणाली : नगर निगम नलकूपों का करेगा ऑटोमेटिक संचालन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हाईटेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक नगर निगम से जुड़ी सेवाओं को ऑटोमेटिक मोड पर लाने में लगे हुए हैं, जिससे उनकी मॉनिटरिंग भी आसानी से की जा सके। इंदिरापुरम और कविनगर जोन में लगे हुए बड़े एवं छोटे नलकूपों का संचालन व मॉनिटरिंग को हाईटेक किया जा रहा है। स्काडा प्रणाली से जलकल विभाग के लगे हुए 193 नलकूपों का संचालन सरल हो पाएगा। ऐसा करने से कार्य में तीव्रता भी आएगी और उपकरणों की सुरक्षा बनी रहेगी। स्काडा पद्धति से नलकूपों पर खर्च हो रही बिजली का भी हिसाब रखने में सरलता रहेगी। वोल्टेज अप डाउन होने पर मोटर या अन्य खराब होने में भी कमी आएगी। पानी नहीं आने और व्यर्थ में मोटर चलने का अलार्म भी सुपरवाइजर व टीम को तत्काल मिलेगा। ऑटोमेटिक नलकूप का बंद होना और शुरू होना स्काडा से सरल होगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि स्काडा के माध्यम से नलकूपों का संचालन सरल और बेहतर होगा, जिसके लिए पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। शीघ्र ही जून के प्रथम सप्ताह में कविनगर और इंदिरापुरम क्षेत्र के नलकूपों को स्काडा पद्धति से जोड़ा जाएगा। इसके लिए आमंत्रित निविदा में तीन फार्मो ने प्रेजेंटेशन दिया है। प्रेजेंटेशन में अन्य शहरों में स्काडा के कार्यों को दर्शाया गया। बिजली की खपत पर भी विशेष ध्यान आधुनिक तकनीकी स्काडा के माध्यम से रखा जाएगा। अधिकारी मोबाइल पर ही नलकूपों की प्रतिदिन की रिपोर्ट देख सकेंगे और निर्धारित टाइमर पर नलकूप चालू एवं बंद होंगे। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद ने बताया कि एएस इलेक्ट्रिकल्स, केएमबी इलेक्ट्रिकल्स, सर्वेश बिल्डर ने प्रेजेंटेशन दिया है। 20 से 40 एचपी के 113 नलकूप, 20 ल्ढ से कम के 80 नलकूप का संचालन प्रथम चरण में स्काडा प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिसकी लागत 10 करोड़ 54 लाख लगभग आएगी।

कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न रोकने को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित, विदुर कुटी वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नगर पालिका परिषद चांदपुर में ह्लकार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (निषेध, निवारण और प्रतितोष) अधिनियम-2013ह्व विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण की विस्तृत जानकारी दी गई।

शिविर की अध्यक्षता करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर की सचिव नैन्सी धुन्ना ने कहा कि इस अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं अनुकूल कार्यस्थल उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कानून के अंतर्गत शिकायतकर्ता एवं उत्तरदाता दोनों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है। यदि जांच समिति द्वारा शिकायत सही पाई जाती है तो आरोपी के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की जाती है।

उन्होंने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं से जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में कानूनी सहायता लेने की अपील की। शिविर में नायब तहसीलदार, स्थानीय महिलाएं, बालिकाएं एवं पराविधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

जागरूकता शिविर से लौटते समय सचिव नैन्सी धुन्ना ने दारानगर गंज स्थित विदुर कुटी वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी मौके पर अनुपस्थित मिलीं। हालांकि वहां मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि वृद्धजनों के लिए रहने, भोजन, वस्त्र एवं बिस्तर की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

सचिव ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान वृद्धजनों ने किसी प्रकार की समस्या होने से इंकार किया।

मेयर सुनीता दयाल ने किया शहर में करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मेयर सुनीता दयाल ने शहर में विभिन्न स्थानों पर 16 करोड़ 61 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास किया।विजय नगर वार्ड 7 सुदामापुरी में विधायक संजीव शर्मा के साथ नारियल फोड़कर व पूजा अर्चना कर शिलान्यास किया गया, जिसमे पार्षद विनिल दत्त, पार्षद संतोष राणा, पार्षद भागवत गुप्ता, पार्षद सीमा यादव, पार्षद नितिन कुमार, पार्षद सुभाष चौधरी, पार्षद कुलदीप त्यागी, पार्षद शशि सिंह, पार्षद अमित त्यागी, पार्षद राज कुमार नागर, पार्षद रीमा गौतम, पार्षद हिमांशु चौधरी, पार्षद राजीव भाटी, पार्षद मुन्नी देवी, पार्षद विजय चौधरी, पार्षद शशि खेमका, मण्डल अध्यक्ष हेमराज माहौर, थान सिंह, राजेश पंडित, प्रदीप त्यागी, वीरेन्द्र आदि उपस्थित रहे। इन कार्यों के लिए लगातार क्षेत्रीय पार्षद व जनता मेयर से मिल रही थी। संबंधित अवर अभियंता से वार्ता कर एस्टीमेट तैयार कराकर 15वें वित्त की धनराशि से यह कार्य निविदा कराए गए और नारियल फोड़कर उनका शिलान्यास किया गया। शहर के लोगों को इन मूल सुविधाओं का लाभ मिलेगा, जिसके लिए स्थानीय लोगो व पार्षद ने मेयर व विधायक को धन्यवाद ज्ञापित किया। विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि शहर में विकास के नारियल फोड़े जा रहे है। हमारी पार्टी विकास में कोई कमी नही छोड़ रही है और इस प्रकार हमारा गाजियाबाद शहर 2047 से पहले ही पूर्ण विकसित हो जाएगा। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि शहर में 16 करोड़ 61 लाख के विकास कार्यों को शुरू कराया गया है। शहर के हर कोने में चौमुखी विकास भी किया जा रहा है। शहर में कोई नाला व कोई सड़क ऐसी नही बचेगी, जिसमे गड्ढा हो। यह सब हमारी पार्टी की देन है। सरकार शहर के विकास के लिए लगातार धनराशि उपलब्ध करवा रही है, जिससे जनता की मूल सुविधाओं को धरातल पर समर्पित करने का कार्य किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में डीएलएफ के एक फ्लैट में मिले 2 शव, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजे

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र के डीएलएफ इलाके में उस समय हड़कंप मच गई, जब पुलिस को एक फ्लैट के अंदर शव होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही डीएलएफ भगत सिंह चौक के पास बी-1 एस- 2 फ्लैट पर पुलिस पहुँची। पुलिस ने जैसे ही फ्लैट खोला तो उसमें से बहुत तेज दुर्गन्ध आने लगी। फ्लैट के अंदर 2 शव मौजूद थे। पुलिस ने तत्काल शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजे। पुलिस को देखकर स्थानीय लोगों भी एकत्रित हो गए और पुलिस ने सभी से पूछताछ शुरू की। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि शव की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। फ्लैट में 70 वर्षीय राकेश शर्मा और 60 वर्षीय नेम सिंह के शव मिले थे। शवों के ऊपर किसी भी तरह के चोट के निशान नहीं थे। उन्होंने बताया कि फ्लैट में यह दोनों अकेले रहते थे। राकेश शर्मा बेड पर ही रहा करते थे और भीम सिंह उनका केयरटेकर था। इसके अलावा राकेश शर्मा के किराए पर टेंपो चलते थे। शव देखने से प्रतीत हो रहा है कि इनकी नेचुरल डेथ हुई थी और लगभग 3 दिन पहले हुई थी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और रिपोर्ट से मौत के कारण की पुष्टि होगी। पुलिस सभी पहलू पर जाँच कर रही है और आस पास के सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए जा रहे है।

डीआईजी ने किया बागपत पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

बागपत (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने शुक्रवार को पुलिस लाइन बागपत का वार्षिक निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस लाइन की परेड का निरीक्षण किया तथा टोलीवार ड्रिल कराकर पुलिसकर्मियों के अनुशासन, एकरूपता और कार्यकुशलता की परख की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय द्वारा वर्षभर में किए गए प्रयासों की सराहना भी की गई। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने परिवहन शाखा, यूपी-112, फील्ड यूनिट, क्वार्टर गार्ड, शस्त्रागार, जीपी स्टोर, आदेश कक्ष, डॉग स्क्वॉड, मैस और आदर्श बैरक सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने जहां भी कमियां पाईं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही फायर सर्विस, यूपी-112 और फील्ड यूनिट की टीमों को आपात स्थितियों से निपटने के लिए विशेष सुझाव दिए गए। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों से मॉब कंट्रोल, यातायात नियंत्रण और अग्नि सुरक्षा संबंधी मॉक ड्रिल भी कराई गई। डीआईजी ने निर्देश दिए कि सभी पुलिस वाहनों में उच्च गुणवत्ता के हेलमेट, डंडा, बॉडी प्रोटेक्टर, लाउड हेलर, टॉर्च, रस्सा और बॉडी वॉर्न कैमरे अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस बल प्रभावी ढंग से कार्य कर सके। निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सात पुलिसकर्मियों को सम्मानित भी किया गया। महिला उपनिरीक्षक शिलेष चौधरी को बेहतर कमांड के लिए, जबकि आरक्षी सतीश और आरक्षी रोहित यादव को उत्कृष्ट ड्रिल के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा यातायात पुलिस के आरक्षी जितेंद्र, आरक्षी पारस शर्मा, महिला आरक्षी कविता और महिला आरक्षी प्रिंसी को उच्चकोटि के टर्नआउट के लिए सम्मानित किया गया। ड्रिल के दौरान बेहतर टोली कमांड करने पर क्षेत्राधिकारी खेकड़ा रोहन चौरसिया की भी सराहना की गई। डीआईजी ने क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण करते हुए आपातकालीन नंबरों की सूची अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सूची में सभी स्थानीय थाना प्रभारियों, फायर सर्विस और अन्य आवश्यक विभागों के नंबर शामिल किए जाएं। जनपदीय कंट्रोल रूम, रेडियो शाखा और यूपी-112 के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि किसी भी घटना या दुर्घटना की सूचना मिलने पर कम समय में प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सके। महिला अपराधों में पीआरवी और थाना पुलिस को संयुक्त रूप से त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। परिवहन शाखा के निरीक्षण के दौरान वाहनों के रखरखाव और तकनीकी दक्षता की समीक्षा की गई। डीआईजी ने सभी वाहनों को अद्यतन रखने और क्यूआरटी टीम में उच्च गुणवत्ता वाले वाहनों का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं शस्त्रागार और जीपी स्टोर का निरीक्षण कर हथियारों और गोला-बारूद की साफ-सफाई एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने पुलिस लाइन के आवासीय परिसर का भी निरीक्षण किया तथा वहां रह रहे परिवारों से साफ-सफाई, जल निकासी, बिजली-पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। मैस और बैरकों का निरीक्षण करते हुए पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा बैरकों में स्वच्छता और अन्य सुविधाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने निर्देश दिया कि रिजर्व पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर शहर के विभिन्न स्थानों पर पिकेट ड्यूटी में लगाया जाए, जिससे कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। साथ ही पुलिसकर्मियों की ड्यूटी बदल-बदलकर लगाने, अनुशासन और कल्याण पर समान रूप से ध्यान देने तथा बाबुओं के नियमित कार्यों की समीक्षा करने को कहा गया। कंट्रोल रूम के लैंडलाइन और सीयूजी नंबर सार्वजनिक करने के भी निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त उन्होंने नवनिर्मित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया और समस्त क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने सर्किल में तैनात सभी गार्डों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। वार्षिक निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार चौहान सहित सभी राजपत्रित अधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक और पुलिस लाइन के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नशीला पदार्थ पिलाकर महिला से दुष्कर्म, वीडियो बनाकर वसूले 1.80 लाख, आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा थाना क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और लाखों रुपये की वसूली का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, 20 मई को कस्बा सहसपुर के मोहल्ला अफगान निवासी इमरान कथित रूप से साजिश के तहत महिला के घर में घुस आया। आरोप है कि उसने महिला को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। महिला के बेहोश होने पर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और पूरी घटना का मोबाइल से वीडियो बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि घटना के बाद आरोपी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा। बदनामी के डर से महिला ने आरोपी को अलग-अलग किश्तों में कुल 1 लाख 80 हजार रुपये दे दिए। महिला ने पुलिस को यह भी बताया कि आरोपी की मां और बहन ने भी कथित रूप से उसे धमकाने और दबाव बनाने में साथ दिया। लगातार मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर पीड़िता ने आखिरकार स्योहारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी इमरान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा घटना में शामिल अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड जीत चुकी फिल्म 'अधूरा ख्वाब' में क्षेत्रीय गायकों को मिलेगा मौका

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) कस्बा निवासी तथा बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के छोटे भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी द्वारा साइड हीरो एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित फिल्म अधूरा ख्वाब जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म की अधिकांश शूटिंग बुढ़ाना और आसपास के क्षेत्रों में की गई है। फिल्म अधूरा ख्वाब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक 35 फिल्म फेस्टिवल में अपनी पहचान बना चुकी है। फिल्म ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्जनों पुरस्कार अपने नाम किए हैं। फिल्म निमार्ता फैजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि बड़े पर्दे पर रिलीज से पहले फिल्म में दो गीत और एक कव्वाली को शामिल किया गया है। इन गीतों और कव्वाली के लिए क्षेत्रीय गायकों को अवसर दिया जाएगा। क्षेत्र के इच्छुक गायकों की आवाज सुनकर तीन सर्वश्रेष्ठ गायकों का चयन किया जाएगा, जिन्हें रिकॉर्डिंग के लिए मुंबई भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि जून माह तक गीतों का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। फैजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि उनका हमेशा प्रयास रहा है कि अपनी मिट्टी की प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिल सके। क्षेत्र के युवाओं में अपार प्रतिभा है, उन्हें केवल सही मार्गदर्शन और अवसर की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी दी कि फिल्म अधूरा ख्वाब इसी वर्ष अगस्त माह में रिलीज की जाएगी।

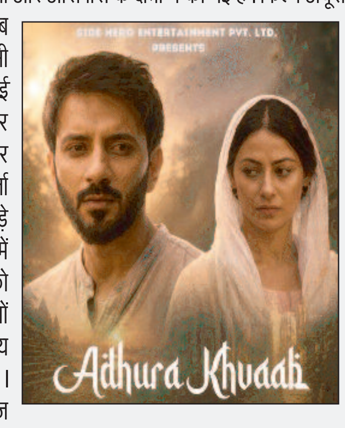

रोबोटिक सिस्टम से होगा यशोदा अस्पाताल नेहरू नगर में घुटने व कूल्हे का प्रत्यारोपण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। यशोदा अस्पाताल एवं रिसर्च सेंटर नेहरू नगर में क्यूविस ऑथोर्पेडिक रोबोटिक-असिस्टेड सर्जिकल सिस्टम शुरू हो गया है। इसके साथ अस्पाताल ने अपनी घुटने एवं कूल्हे के प्रत्यारोपण सेवाओं को अधिक सशक्त किया है। उद्घाटन समारोह में यशोदा अस्पाताल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. दिनेश अरोड़ा एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रजत अरोड़ा उपस्थित रहे। इस अवसर पर ऑथोर्पेडिक्स, घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण तथा ट्रॉमा सर्जरी विभाग की टीम भी मौजूद रही। ऑथोर्पेडिक टीम में डॉ. विपिन कुमार त्यागी, डॉ. अजय पंवार, डॉ. राहुल काकरन एवं डॉ. दिवास गुप्ता शामिल रहे। डॉ. दिनेश अरोड़ा ने कहा कि यह सिस्टम पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली-एनसीआर में उन्नत चिकित्सा तकनीक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। डॉ. रजत अरोड़ा ने कहा कि यह तकनीक अधिक सटीकता और व्यक्तिगत उपचार के साथ बेहतर सर्जिकल परिणाम एवं शीघ्र रिकवरी में सहायक होगी। क्यूविस रोबोटिक सिस्टम ऑथोर्पेडिक सर्जरी में विशेषकर घुटने एवं कूल्हे के प्रत्यारोपण के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 6-एक्सिस रोबोटिक आर्म, ट्रैकिंग सेंसर और ऑटोमैटिक कटिंग तकनीक के साथ यह सिस्टम सर्जरी में अधिक सटीकता प्रदान करता है और गलतियों की संभावना को न्यूनतम करता है।

पुलिस लाइन में निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

शामली ।(शिखर समाचार) पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों के लिए निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों, महिला आरक्षियों एवं उनके परिवारजनों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों एवं मेडिकल टीम द्वारा लोगों की आंखों की विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान दृष्टिदोष, आंखों में जलन, कमजोरी तथा अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को आंखों की नियमित जांच कराने, संतुलित आहार लेने तथा दैनिक जीवन में आंखों की सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया। पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य पुलिस परिवार के सदस्यों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना रहा। अधिकारियों ने बताया कि पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण के लिए समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

संक्षिप्त समाचार

मोड़ पर बेकाबू होकर दीवार से टकराई कार, तीन युवकों की मौत

मऊ, एजेंसी। मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। घोसी-नदवासराय मार्ग पर सरहरा जमीन सरहरा स्थित लेखपाल ट्रेनिंग सेंटर के पास एक तेज रफ्तार कार मोड़ पर अचानक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे बनी दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। घोसी थाना प्रभारी परमेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद रियाज अहमद (25) निवासी मिर्जा जमालपुर, रामाशीष यादव (28) निवासी लारपुर और राहुल (25) को मृत घोषित कर दिया। राहुल के पते की जानकारी अभी नहीं हो सकी है। वहीं मिर्जा जमालपुर निवासी आकाश यादव (25) गंभीर रूप से घायल है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार चारों युवक आजमगढ़ की ओर से आ रहे थे। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोना हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे के बाद मृतकों के घरों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

10 वेटलैंड के दम पर पहला हरित शहर बनेगा अलीगढ़

अलीगढ़, एजेंसी। तपते शहरों में नष्ट होते प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम को बचाने के लिए सरकार ने वेटलैंड को बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। इसी के तहत 10 वेटलैंड के दम पर अलीगढ़ पहला हरित शहर बनेगा। हाल ही में शेखाझील को रामसर साइट घोषित किया गया। अब तीन नए वेटलैंड के लिए प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी की है। इनके अलावा, तीन और वेटलैंड क्षेत्रों का सैटेलाइट सर्वे हुआ है। इसके बाद तीन और जगहों का सर्वे करने की तैयारी है। इस तरह आगामी दिनों में जिले में कुल 10 वेटलैंड होंगे। अभी तक प्रदेश के किसी भी जिले में इतनी संख्या में वेटलैंड नहीं है। बीती दो अप्रैल को राज्य सरकार ने अतरौली ब्लॉक के गांव सिसई, प्रेमनगर धुर्रावास और बिजौली ब्लॉक के गांव सिकरी के वेटलैंड की अधिसूचना जारी की है। इस पर आपत्ति एवं सुझाव के लिए 60 दिन का समय भी निर्धारित किया है। इसके बाद इन्हें आधिकारिक रूप से वेटलैंड घोषित किया जाएगा। इधर, कोल तहसील के दभी गांव, गभाना क्षेत्र के सुमेरा-दरियापुर और दाऊपुर गांव के वेटलैंड का प्राइमरी सैटेलाइट सर्वे हो चुका है। अब जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली वेटलैंड समिति इन क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करेगी। समिति में वन, सिंचाई, कृषि और मत्स्य विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। निरीक्षण के बाद इन्हें भी नोटिफिकेशन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। इनके अलावा, वन विभाग तीन और वेटलैंड को सूची में शामिल कराने की तैयारी कर रहा है। इनमें अकराबाद ब्लॉक का अमामादपुर, दभादभी और विजयगढ़ क्षेत्र का वरहद वेटलैंड शामिल हैं। इस तरह आगामी दिनों में रामसर साइट शेखाझील समेत जिले में कुल 10 वेटलैंड हो जाएंगे। एएमयू के भूगोल विभाग के प्रो. अतीक अहमद कहते हैं वेटलैंड किसी भी शहर के लिए प्राकृतिक तापमान नियंत्रक की तरह काम करते हैं। जहां जल क्षेत्र और हरियाली अधिक होती है, वहां तापमान अपेक्षाकृत कम रहता है। इसके विपरीत जिन शहरों में तालाब और वेटलैंड खत्म हुए, वहां अर्बन हीट आइलैंड की स्थिति तेजी से बढ़ी है। आने वाले वर्षों में शहरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रदूषण नहीं, बल्कि बढ़ती गर्मी होगी। जिस तेजी से कंक्रीट का दायरा बढ़ रहा है, उससे शहर प्राकृतिक तापमान संतुलन खोते जा रहे हैं। ऐसे में वेटलैंड और जल स्रोत ही राहत देने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। अलीगढ़ जैसे तेजी से फैलते शहर में यदि अभी से जल स्रोतों और वेटलैंड को संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यहां गर्मी और जल संकट दोनों गंभीर रूप ले सकते हैं। लगातार बढ़ती वार्म नाइट यानी गर्म रातों की स्थिति इसी बदलाव का संकेत है।

ग्रीष्मावकाश में दूसरे महाविद्यालयों की परीक्षाएं कराने से इन्कार,

बरेली कॉलेज ने खड़े किए हाथ

बरेली, एजेंसी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय और बरेली कॉलेज के बीच परीक्षाओं और गर्मी की छुट्टियों को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। विश्वविद्यालय की ओर से 25 मई से ग्रीष्मावकाश (गर्मी की छुट्टियां) घोषित होने के बाद बरेली कॉलेज के प्राचार्य ने इस दौरान बाहरी महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की परीक्षा अपने यहां संपन्न कराने में असमर्थता जताई है।

बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय की ओर से परीक्षा नियंत्रक को लिखे गए पत्र के अनुसार, कॉलेज केंद्र पर 16 अप्रैल से विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं। ये जून के तीसरे सप्ताह तक चलने की संभावना है। 22 मई से विधि सम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी शुरू होने जा रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय ने अन्य बाहरी महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र भी बरेली कॉलेज को बना दिया है। इन परीक्षाओं को कराने में कॉलेज के सभी शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी लगातार ड्यूटी कर रहे हैं।

25 मई से ग्रीष्मावकाश घोषित : प्राचार्य ने पत्र में स्पष्ट किया है कि चूंकि विश्वविद्यालय की ओर 25 मई से ग्रीष्मावकाश घोषित कर दिया गया है, इसलिए कॉलेज के प्राध्यापक भी छुट्टी पर चले जाएंगे। ऐसी स्थिति में जनशक्ति की कमी हो जाएगी और परीक्षाओं को सुचारु रूप से कराना बेहद मुश्किल होगा। उन्होंने साफ कहा है कि

ग्रीष्मावकाश के दौरान बरेली कॉलेज केवल अपने ही नियमित छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं संपन्न करा पाएगा।

जिन बाहरी महाविद्यालयों का परीक्षा केंद्र बरेली कॉलेज को बनाया गया है, उनकी परीक्षाएं कराना संभव नहीं होगा। प्राचार्य ने विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुरोध किया है कि वे इस संबंध में आवश्यक कदम उठाएं और बाहरी छात्रों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करें।

कुलपति का आदेश : हालांकि, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति के आदेश के मुताबिक ग्रीष्मावकाश की अवधि में प्रवेश प्रक्रिया, पहले से चल रहीं परीक्षाएं, मूल्यांकन और अन्य आवश्यक कार्य पूर्व निर्धारित समय सारिणी के अनुसार जारी रहेंगे। जो शिक्षक इस छुट्टी के दौरान परीक्षा या शैक्षणिक कार्यों में अपना योगदान देंगे, उन्हें इसके बदले नियमानुसार प्रतिकर अवकाश दिया जाएगा, जिसे प्राचार्य स्तर पर समायोजित किया जा सकेगा।

चक्कर लगाकर गर्मी में हुआ परेशान

मैनपुरी से आए योगेश कर्दम ने बताया कि पेट रोग की परेशानी है। महीने भर की दवा लेकर जाता हूं। बाग फरजाना, फव्वारा गया, लेकिन हड़ताल के कारण दवा नहीं मिल पाई। गर्मी से बुरा हाल हो गया।

दो संगठनों का विरोध, खोले मेडिकल स्टोर : आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन और आगरा रिटेल केमिस्ट एसोसिएशन ने हड़ताल का विरोध किया। इसके चलते इनके सदस्यों ने मेडिकल स्टोर संचालित किए। इससे मरीजों को राहत मिली। इसकी जानकारी पर कई मरीज इन स्टोरों पर जाकर दवाएं भी खरीदीं। आगरा रिटेल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष ब्रह्मभट्ट, संस्थापक श्याम तिवारी, महामंत्री राजीव शर्मा, सतीश पाठक और कपिल बंसल ने बताया कि हमारे 1,400 सदस्य हैं, इन्होंने अपने प्रतिष्ठान खोले, जिन पर भीड़ लगी रही। आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष शर्मा, संस्थापक गिरधारी लाल भग्त्यानी, चेयरमैन संजय चौरसिया, संरक्षक कपूर चंद अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता और चंद्रप्रकाश पाहुजा ने बताया कि मरीजों के हित के लिए हड़ताल का बहिष्कार करते हुए संगठन के सदस्यों ने स्टोर खोले।

हथियार से लैस होकर कार से आए थे बदमाश, एक युवक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव में बुधवार देर रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। चार पहिया वाहन से जा रहे दो युवकों पर अज्ञात बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। बदमाशों ने युवकों को निशाना बनाते हुए कई राउंड फायरिंग की, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। चिकित्सकों ने उपचार के दौरान एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे युवक का इलाज चल रहा है। घायल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक के परिजनों में घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। गांव में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है।

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद एसपी अस्पताल पहुंचे और घायल युवक से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं। सर्विलांस और एसओजी टीम को भी जांच में लगाया गया है। पुलिस पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दौड़ती कार बनी आग का गोला, कूदकर बचाई लोगों ने जान

आगरा एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बृहस्पतिवार सुबह टोल प्लाजा 21 के पास चलती कार अचानक आग का गोला बन गई। कार सवार चार लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के मुताबिक नारायण दास जी महाराज निवासी वृंदावन तीन अन्य लोगों के साथ कार से मथुरा से लखनऊ की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 7:20 बजे जैसे ही उनकी कार फतेहाबाद स्थित टोल प्लाजा 21 पर पहुंची, तभी अचानक कार में आग लग गई। आग की लपटें उठते देख कार सवार तुरंत बाहर निकल आए।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी।वही कार में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। इंस्पेक्टर क्राइम राजवीर सिंह ने बताया कि कार में आग लगने की घटना हुई थी। सभी कार सवार सुरक्षित हैं। प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगना प्रतीत हो रहा है।

ग्रेटर आगरा में प्लॉटों की कीमत हुई तय, एडीए की सीमा में शामिल होंगे 98 नए गांव

आगरा, एजेंसी। आगरा विकास प्राधिकरण की 152वीं बोर्ड बैठक में बुधवार को ग्रेटर आगरा और जूता मंडी में भूमि की दरों पर मुहर लगाई गई। ग्रेटर आगरा में आवासीय भूखंड 33 हजार रुपये और जूता मंडी में भूतल पर 78 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से मिल सकेंगे। इसके अलावा एडीए की सीमा में 98 नए गांवों को भी शामिल किया जाने का फैसला हुआ।

मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में एडीए बोर्ड बैठक में बुधवार को कई अहम फैसले हुए। ग्रेटर आगरा और जूता मंडी के अलावा ताजनगरी फेज-2 के जर्जर ईडब्ल्यूएस आवासों को गिराने और आवंटियों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का निर्णय

हुआ। वहीं, इनर रिंग रोड के टोल प्लाजा को मानसून से पहले चालू करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में शहर के विकास, सीमा विस्तार और नई योजनाओं को लेकर कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हो गए।

बैठक में हुए यह निर्णय.....

ग्राम रायपुर-रहनकलां में प्रस्तावित ग्रेटर आगरा योजना में आवासीय भूखंड (प्लॉट) की दर 33 हजार रुपये प्रति वर्गमीटर होगी। वहीं, ग्रुप हाउसिंग के लिए यह दर आवासीय से डेढ़ गुना लगभग 50 हजार और व्यावसायिक भूखंडों के लिए 66 हजार रुपये वर्ग मीटर होगी। सार्वजनिक सुविधाओं वाले भूखंड आवासीय दर पर ही मिलेंगे।

ताजनगरी फेज-2 में प्राधिकरण द्वारा बनाए गए दुर्बल आय वर्ग के भवनों को गिराया जाएगा। आईआईटी रुड़की और पीडब्ल्यूडी की जांच में इन भवनों को जर्जर और खतरनाक घोषित किया गया है। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि यहां रहने वाले आवंटियों की सहमति लेकर उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए और उसके बाद इन जर्जर इमारतों को ध्वस्त कर यहां नई प्लानिंग की जाए।

फार्मा एसोसिएशन की हड़ताल से 60 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ चौपट, दवा न मिलने से लोग रहे परेशान

आगरा, एजेंसी। आगरा फार्मा एसोसिएशन की एक दिन की हड़ताल से 60 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। शहर और देहात में थोक और फुटकर मेडिकल स्टोर बंद रहे। यहां से दूसरे जिलों के मेडिकल स्टोर भी दवाएं खरीदकर ले जाते हैं।

जिले में करीब 8,100 दवा विक्रेता हैं। इसमें 5,100 रिटेल और 3,000 थोक दवा विक्रेता हैं। औसतन एक दिन में 60 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होता है। इसमें दैनिक मरीजों के अलावा दूसरे जिलों के फुटकर विक्रेता भी दवाएं खरीदकर ले जाते हैं। अध्यक्ष अनूप बंसल ने बताया कि औसतन एक दिन में 60 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। हड़ताल से कारोबार प्रभावित हुआ है। करीब थोक व फुटकर के करीब छह हजार से अधिक प्रतिष्ठान बंद रहे। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि जिले में 8,100 दवा विक्रेता हैं। टीम बाजार में सक्रिय रही। इसकी रिपोर्ट बनाकर शासन को भेज दिया है।

ये बोले मरीजः

पर्चा लेकर दवा को भटकता रहा

एटा के रहने वाले महेश चंद ने बताया कि यमुनापार में हड्डी रोग के डॉक्टर को दिखाया, दवा लेने के लिए ट्रांस यमुना-रामबाग गया, लेकिन मेडिकल स्टोर बंद थे। अगले दिन आने के लिए कहा।

बच्चे की नहीं मिली दवा

शाहगंज निवासी नूर मोहम्मद ने कहा कि बच्चे की दवा लेने के लिए आए थे, लेकिन मेडिकल स्टोर बंद मिले। कई जगह देखा, लेकिन हड़ताल के कारण दवा नहीं मिल पाई। लौटना पड़ा। फिरोजाबाद निवासी अनूप कुमार का कहना है कि पिता की दवा नहीं मिल सकी- पिताजी को सांस की बीमारी है। पर्चा लेकर फव्वारा आया, यहां मेडिकल स्टोर बंद थे। लोगों ने बताया कि हड़ताल है, बृहस्पतिवार को आना।

दुष्कर्म के बाद बालक की हत्या करने वाले दो दोषियों को उम्रकैद, कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया

बरेली, एजेंसी। बरेली के स्पेशल जज एससी-एसटी एक्ट अभय श्रीवास्तव ने बुधवार को 11 साल के बालक के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या के दोषी इज्जतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशन श्रीवास्तव और हिमांशु शर्मा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उन पर 65-65 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

इज्जतनगर थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका 11 साल का बेटा घर के बाहर खेल रहा था। गांव के ही किशन श्रीवास्तव और हिमांशु शर्मा ने उसके बेटे को 50 रुपये देने का लालच देकर दुष्कर्म किया। बेटे ने रुपये मांगे तो दोनों ने इन्कार कर दिया।

भेद खुलने के डर से की थी हत्या : बेटे ने इस बारे में सभी को बता देने की बात कही। भेद खुलने के डर से किशन और हिमांशु ने रस्सी से गला घोंटकर उसके बेटे की हत्या कर दी और शव गन्ने के खेत में छिपा दिया। विवेचना के बाद पुलिस ने अपहरण, एससी-एसटी एक्ट और हत्या की धाराओं में चार्जशीट दाखिल कर दी।

सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से नौ गवाह पेश किए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने किशन और हिमांशु को अपहरण, एससी-एसटी एक्ट, हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोपों में दोषी करार देते हुए कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है।

पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के दोषी को उम्रकैद : बरेली के स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट हेमेंद्र कुमार सिंह ने पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के दोषी सिरौली थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी खुशीराम को आजीवन कारावास और 45 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। कोर्ट ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। सिरौली थाना क्षेत्र के एक गांव के व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बेटे बाहर रहकर नौकरी करते हैं। गांव के घर में वह उसकी पत्नी और नाबालिग बेटी रहती है। एक दिसंबर 2021 की शाम सात बजे बेटी घर में अकेली थी।

मौका पाकर गांव का ही खुशीराम घर में घुस आया। वह बेटी को घर से उठाकर ले गया और जंगल में उसके साथ दुष्कर्म किया।

सीएम योगी बोले- विभाग व ठेकेदारों की गलती के लिए जनप्रतिनिधि जिम्मेदार नहीं, पीडब्ल्यूडी को सख्त चेतावनी

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि विभागीय कमियों या ठेकेदारों की गलतियों की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों पर नहीं डाली जा सकती। विकास कार्यों की गुणवत्ता और तय समय में उन्हें पूरा कराना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को लोक निर्माण विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की। बैठक में सभी जिलाधिकारी, मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सीएम ने निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और मानकों से

कोई समझौता न किया जाए।

प्रत्येक जिले से स्थानीय जरूरतों के अनुसार प्रस्ताव तैयार कर एक सप्ताह के भीतर शासन को भेजे जाएं। जून के पहले सप्ताह में कार्ययोजना को मंजूरी दे दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर योजनाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए।

योगी ने कहा कि परियोजनाओं में अपनी पसंद से चयन (पिक एंड चूज) करने वाली प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। हर परियोजना के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए और पिछले वर्ष स्वीकृत योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट समय से शासन को भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोक निर्माण विभाग हर जिले में टीम भेजकर विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कराए।

बैठक के दौरान प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी दिया। इसमें बताया गया कि वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए अब तक 30000 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों को समय से धरातल पर उतारा जाए।

इस अवसर पर केंद्रीय पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अरुण कुमार सक्सेना, लोक निर्माण राज्यमंत्री ब्रजेश सिंह भी मौजूद रहे।

हर ब्लॉक में बनाएं हेलीपैड

मुख्यमंत्री ने कहा कि इमरजेंसी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए हर ब्लॉक, तहसील और जिला मुख्यालय के पास हेलीपैड बनाए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि इनके रखरखाव की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग ले। इनके प्रयोग के लिए निर्धारित शुल्क व्यवस्था भी की जाए।

तारकोल की जगह सीसी रोड पर बढ़ेगा जोर

मुख्यमंत्री ने ईंधन और बिटुमिन (तारकोल) की उपलब्धता पर पड़ रहे प्रभाव का जिक्र करते हुए लोक निर्माण विभाग को तकनीकी नवाचार अपनाने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि दो किलोमीटर तक के ग्रामीण मार्गों पर सीसी रोड का निर्माण कराया जाए। बिटुमिन की खपत कम करने के लिए सीमेंट ट्रीटेड बेस तकनीक को प्राथमिकता से अपनाया जाए। नगर विकास विभाग की सीएम ग्रिड योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह शहरी कनेक्टिविटी को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन इसकी गति बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रदेश के प्रत्येक मोहल्ले और कॉलोनी तक बेहतर सड़क बने।

सिर के अंदर हड्डी को तोड़ते हुए पार निकल गई गोली

अलीगढ़, एजेंसी। थाना क्वार्सी क्षेत्र में अवैध तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या करने वाले हेड कांस्टेबल अनिल कुमार के बेटे विशेष कुमार के शव का पोस्टमार्टम किया गया तो सिर में गोली फंसी हुई नहीं मिली। पाया गया कि दाईं ओर से मारी गई गोली सिर के अंदर की हड्डी को तोड़ती हुई और अंदर के हिस्से को फाड़ती हुई बाईं ओर आरपार निकल गई। शव के एक्सरे में भी गोली फंसी नहीं पाई गई। शॉकवेव, अत्यधिक ब्लीडिंग और प्रेशर की वजह से पूरा सेंट्रल नर्वस सिस्टम तुरंत ठप हो गया। चिकित्सक मानते हैं कि तड़पने का भी मौका नहीं मिला होगा और तुरंत मौत हो गई। पोस्टमार्टम के दौरान पाया गया कि गोली खोपड़ी को तोड़कर दिमाग के आर-पार निकली तो अपने पीछे तबाही का एक रास्ता छोड़ गई। दिमाग के भीतर कई तरह के गंभीर डैमेज होने से ही तत्काल मृत्यु हो गई। गोली ने अपने आकार और गति से दिमाग के ऊतकों को चीरा और आगे बढ़ते हुए परमानेंट कैविटी तैयार कर दी।

यीडा में 17 उद्योगों को भूमि आवंटन पत्र, ₹5,800 करोड़ निवेश से 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई गति देते हुए विभिन्न क्षेत्रों की 17 कंपनियों को भूमि आवंटन पत्र (लेटर ऑफ अलॉटमेंट) जारी किए गए। इन आवंटनों के माध्यम से क्षेत्र में लगभग ₹5,800 करोड़ से अधिक निवेश आने तथा 10,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है।

आवंटन प्राप्त करने वाली प्रमुख कंपनियों में सीईएससी ग्रीन पावर लिमिटेड शामिल है, जो लगभग ₹3,805 करोड़ के निवेश से 3 गीगावाट क्षमता की सोलर सेल एवं मॉड्यूल निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिससे करीब 5,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड लगभग ₹1,146 करोड़ के निवेश से 4 गीगावाट क्षमता की उन्नत बैटरी सेल निर्माण इकाई स्थापित करेगी। इसके अलावा आईटी/आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, विद्युत उपकरण, डेटा प्रोसेसिंग, रेडीमेड गारमेंट्स, रेलवे सिग्नलिंग उत्पाद, स्मार्ट एनर्जी मीटर तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों की कई कंपनियों को भी औद्योगिक भूखंड आवंटित किए गए हैं।

यीडा क्षेत्र में विकसित हो रहा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर) औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। प्राधिकरण के अनुसार अब तक 136 औद्योगिक इकाइयों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं, जिनसे ₹30,885 करोड़ निवेश तथा 45,907 रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

यीडा में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, मेडिकल डिवाइस, डेटा सेंटर, टॉय पार्क और अपैरल पार्क जैसी परियोजनाओं के विकास के साथ क्षेत्र उत्तर भारत के प्रमुख औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय अवसंरचना और निवेश अनुकूल वातावरण के कारण यह क्षेत्र देश-विदेश के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

व्यापारिक समस्याओं के समाधान को लेकर जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के व्यापारिक वातावरण को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के साथ व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अतिक्रमण, यातायात जाम, पार्किंग व्यवस्था, सड़कों की खराब स्थिति तथा जीएसटी से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी और आसपास के बाजार क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं से भी प्रशासन को अवगत कराया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए और यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाए, ताकि व्यापारियों और आम नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ व्यापारिक हितों को प्राथमिकता देते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही व्यापारियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने पर भी जोर दिया, जिससे समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक का संचालन संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) योगेश कुमार विजय तथा उप आयुक्त प्रशासन, राज्य कर विभाग अजित कुमार सिंह ने किया। इस दौरान जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, प्राधिकरण और विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिला कारागार में विधिक सहायता व्यवस्थाओं का निरीक्षण, महिला बंदियों को दी गई कानूनी जानकारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन तथा जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत ने शुक्रवार को जिला कारागार गौतमबुद्धनगर में स्थापित विधिक सहायता केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान महिला बंदियों के लिए विधिक साक्षरता शिविर का भी आयोजन किया गया। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक ब्रजेश कुमार और उप जेलर सुरजीत सिंह मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि जिला कारागार गौतमबुद्धनगर में वर्तमान में 2432 बंदी निरुद्ध हैं। सचिव ने महिला बैरक का निरीक्षण कर महिला बंदियों से उनके मुकदमों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा मुकदमों से संबंधित अभिलेखों और कार्डों का अवलोकन किया। शिविर में बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, अधिवक्ताओं की उपलब्धता तथा कानूनी अधिकारों के संबंध में जानकारी दी गई। महिला

बंदियों ने बताया कि उन्हें निजी अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अधिवक्ता उपलब्ध कराए गए हैं। इस पर सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि महिला बंदियों के मुकदमों से संबंधित कार्डों पर अधिवक्ताओं के नाम स्पष्ट रूप से अंकित किए जाएं। साथ ही महिला बैरक में साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त जिला कारागार में संचालित विधिक सहायता केंद्र का निरीक्षण कर बंदी पीएलवी द्वारा अन्य बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सहायता की समीक्षा की गई। पीएलवी द्वारा संधारित रजिस्टरों और अभिलेखों के रखरखाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। जेल प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि प्रत्येक बंदी को समयबद्ध रूप से विधिक सहायता उपलब्ध हो तथा कोई भी बंदी बिना अधिवक्ता के न रहे। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त निर्देशों के तहत जिला कारागार में बंदियों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुलाकाती स्थल पर जल्द ही हेल्प डेस्क प्रारंभ किया जाएगा। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से बंदियों के परिजन विधिक सलाह और विभिन्न कानूनी सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 329 मरीजों ने उठाया लाभ

शामली (शिखर समाचार) ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल में शुक्रवार को बदलते मौसम और बढ़ती बीमारियों को देखते हुए निशुल्क कैल्शियम, ब्लड एवं एक्सरे जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे, जहां करीब 329 मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं उपचार दिया गया। शिविर का शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी एवं हॉस्पिटल के डायरेक्टर कुशांक चौहान ने फीता काटकर किया। इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम में शामिल डॉ. अक्षय कुमार एवं डॉ. रीतु मलिक ने मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सीय सलाह दी। कुशांक चौहान ने बताया कि सामान्यतः 1500 रुपये में होने वाली हड्डियों में कैल्शियम की जांच शिविर में निशुल्क की गई। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण लोगों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ रहा है, इसलिए सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, अधिक मात्रा में पानी पीने तथा हल्का एवं पौष्टिक भोजन करने की अपील की। साथ ही मरीजों को मौसम जनित बीमारियों से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। शिविर में विशाल कुमार, अजय कुमार, सुरेंद्र चौहान, इफरा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, मिलावट मिलने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनपद की दुकानों, होटलों, डेयरियों तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के लाइसेंसों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि मिठाई, दूध, खोवा, तेल, मसाले और पनीर आदि खाद्य पदार्थों के नमूने नियमित रूप से लेकर उनकी जांच कराई जाए, ताकि आम लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही भोजन तैयार करने वाले रसोईघर, बिक्री काउंटर तथा भंडारण स्थलों की साफ-सफाई और स्वच्छता मानकों का भी निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान में खाद्य पदार्थों में मिलावट पाई जाती है तो संबंधित प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित अथवा निरस्त किया जाएगा। साथ ही दुकान को सील करने और संबंधित संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने जैसी कड़ी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

जिले में विद्युत कटौती से जनता, व्यापारी व किसान प्रभावित, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। शुक्रवार को पश्चिम उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल जिला इकाई द्वारा जनपद में लगातार हो रही बिजली कटौती, लो-वोल्टेज, ट्रिपिंग, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों एवं खराब विद्युत व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर सदर एसडीएम इला प्रकाश को ज्ञापन सौंपा गया। व्यापारियों ने ज्ञापन में कहा कि प्रत्येक वर्ष गर्मी के मौसम में जनपद हापुड़ की जनता, व्यापारी, किसान एवं विद्यार्थी बिजली संकट से प्रभावित होते हैं। अघोषित बिजली कटौती, लो-वोल्टेज तथा बार-बार ट्रिपिंग की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनजीवन और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजय कुमार डावर ने कहा कि जनपद में विद्युत व्यवस्था सुधार हेतु विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाइन सुधार, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि, पोल परिवर्तन एवं वितरण व्यवस्था सुदृढ़ीकरण जैसे कार्य किए गए हैं। इन कार्यों पर लगभग 141 करोड़ रुपये व्यय होने की जानकारी सामने आई है। इसके बावजूद यदि जनता आज भी बिजली कटौती, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों और कमजोर विद्युत व्यवस्था से जूझ रही है, तो इन कार्यों की निष्पक्ष समीक्षा कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। जिला महामंत्री दीपक बंसल ने अघोषित बिजली कटौती बंद करने, ओवरलोड क्षेत्रों में उच्च क्षमता के ट्रांसफार्मर लगाने, जर्जर लाइनें एवं पोल बदलने, सभी फीडरों और ट्रांसफार्मरों की तकनीकी जांच कराने तथा स्थायी समाधान लागू करने की मांग की। इस अवसर पर विजय शर्मा प्रदेश मंत्री, जिला उपाध्यक्ष मोहित अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष ऋषभ गर्ग, गौरव गोयल नगर अध्यक्ष, जिला संगठन मंत्री राजेश नारंग, अमन चुग, नितिन गर्ग, शशांक अग्रवाल, प्रदीप गर्ग, अंकुर जिंदल सहित अन्य पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

वेतन न मिलने से बिफरे संविदा स्वास्थ्य कर्मी, दूसरे दिन भी हड़ताल जारी

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ गया है। बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर शुरू हुई उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। ह्लवेतन नहीं तो काम नहींह्व के नारों के बीच सीएचसी नगीना और पीएचसी कोतवाली ब्लॉक के संविदा डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य गेट पर धरने पर बैठे रहे। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. विशाल कुमार और जिला मंत्री गगन कुमार शर्मा ने बताया कि मार्च और अप्रैल माह के बकाया मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर 14 मई को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस

कार्रवाई नहीं की गई। आंदोलनकारी स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि लगातार दो महीने से वेतन न मिलने के कारण उनके परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बावजूद वे बच्चों की स्कूल फीस तक जमा नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों के लिए नई ड्रेस और किताबें खरीदना भी मुश्किल हो गया है। कोतवाली ब्लॉक के डॉ. रियाज जैदी ने स्पष्ट कहा कि 25 मई तक कार्य बहिष्कार पूरी तरह जारी रहेगा। यदि निर्धारित समय सीमा तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो प्रांतीय संघ के निदेर्शानुसार आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सीएचसी नगीना में दूसरे दिन धरने पर बैठने वालों में डॉ. रियाज जैदी, डॉ. नवेद इकबाल, डॉ. माज जलील शमसी, डॉ. प्रज्वल, डॉ. राहुल और डॉ. मीनाक्षी चौहान शामिल रहे। इनके साथ स्वास्थ्य कर्मी गौरव, अरुण, हितेश, दीपक, पूजा विश्नोई, स्वाति, रमनजीत कौर, अर्चना सिंह, प्रमोद देवी, शक्ति सिंह, मनीष कुमार, पीयूष कुमार, सना उल हक, मीनाक्षी, बबीता, फैजान, अभिषेक सहित समस्त एनएचएम स्टाफ धरने में मौजूद रहा।

जिले में दो दिवसीय स्पेशल वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया : एआरटीओ

हापुड़ (शिखर समाचार)। शासन के निर्देश पर जिले में 21 और 22 मई को दो दिवसीय विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन और ट्रैफिक विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न स्थानों पर वाहनों की सघन जांच की। कार्रवाई में दो बसों और पांच एंबुलेंस को सस्पेंड किया गया।

इस अभियान में यातायात क्षेत्राधिकारी राहुल यादव, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रमेश चंद चौबे, यात्रीकर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय तथा ट्रैफिक इंस्पेक्टर नरेश कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

एआरटीओ प्रवर्तन रमेश चंद चौबे ने बताया कि हापुड़ और गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पांच बसों की जांच की गई, जिनमें से दो बसें गैर-कानूनी तरीके

से संचालित पाए जाने पर सस्पेंड कर दी गईं। वहीं पांच एंबुलेंस को फिटनेस, परमिट, इंश्योरेंस और पॉल्यूशन सर्टिफिकेट निरस्त होने के कारण सस्पेंड किया गया।

अभियान के दौरान चार चालक नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़े गए। इसके अलावा हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाना, सड़क किनारे अवैध पार्किंग, मालवाहक वाहनों में ओवरलोडिंग तथा बिना रूट परमिट संचालन जैसे मामलों में भी कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए नियमों का पालन करने की अपील की। एआरटीओ ने कहा कि आगे भी जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी।

घर के आगे गाड़ी खड़ी करने से मना करने पर मारपीट, दो घायल

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव दयानतपुर में घर के सामने गाड़ी खड़ी करने से मना करने पर विवाद हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर कुछ लोगों ने मारपीट कर महिला समेत दो लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दयानतपुर गांव निवासी सूरजपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 16 मई की शाम करीब पांच बजे गांव के पंकज, रवि, राकेश और उनके साथी अभिषेक उनके घर के सामने गाड़ी खड़ी किए हुए थे। जब उन्होंने गाड़ी हटाने के लिए कहा तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और गाड़ी हटाने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी, जिसमें उनकी पत्नी आशा और बेटा घायल हो गए। दोनों घायलों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो सगी बहनों ने दहेज उत्पीड़न का वीडियो वायरल कर लगाई न्याय की गुहार

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली दो सगी विवाहित बहनों ने अपने पतियों और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न व मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर न्याय की गुहार लगाई है। दोनों बहनों ने अपनी जान को खतरा बताते हुए जनप्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन और प्रदेश सरकार से सुरक्षा की मांग की है। जानकारी के अनुसार बागपत जनपद के एक गांव निवासी दो सगी बहनों की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व दादरी क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले दो सगे भाइयों के साथ हुई थी। अब दोनों बहनों ने एक साथ वीडियो जारी कर आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उन्हें दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पति और परिजन उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं तथा कई बार मारपीट भी की गई है। वीडियो में दोनों बहनों ने कहा कि उन्हें अपनी जान का खतरा है और ससुराल पक्ष किसी भी समय उनके साथ अनहोनी कर सकता है। उन्होंने समाज की 36 बिरादरियों, पुलिस प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि उनके मरने का इंतजार न किया जाए, बल्कि समय रहते उनकी पीड़ा को समझकर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। पीड़िताओं का आरोप है कि एक बार उनमें से एक बहन की हत्या का प्रयास भी किया गया था, लेकिन दूसरी बहन ने उसे बचा लिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घर में लगे सीसीटीवी कैमरों का सेटअप बॉक्स भी परिजन वहां से हटा ले गए, ताकि घटना के सबूत न मिल सकें। वीडियो में दोनों बहनें हाथ जोड़कर बार-बार न्याय और सुरक्षा की मांग करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री, पुलिस कमिश्नर, जनप्रतिनिधियों और मीडिया से हस्तक्षेप कर उन्हें सुरक्षा दिलाने की अपील की है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच की गई है। जांच के बाद दोनों भाइयों और अन्य परिजनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

फार्म हाउस में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर रोड स्थित एक फार्म हाउस में शुक्रवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही फार्म हाउस स्वामी गिरिराज शर्मा सहित आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी। आग की चपेट में आने से आधा दर्जन से अधिक सोफे समेत अन्य घरेलू व सजावटी सामान जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मशक्कत के चलते दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही आग पर काबू पा लिया गया। फार्म हाउस स्वामी गिरिराज शर्मा ने बताया कि आग से उनका लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

ढाबे पर ले जाकर मारपीट करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

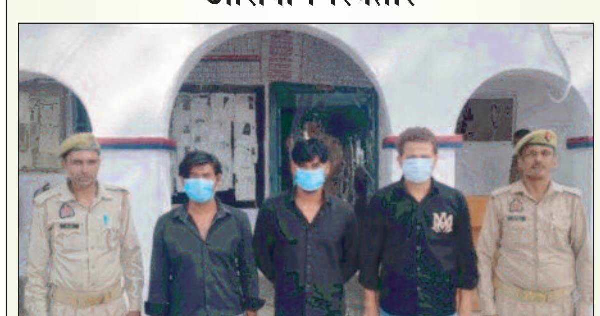

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मारपीट के मुकदमे में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को ग्राम अठसेनी से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में रिहान, सलीम एवं अमीर पुत्रगण रियाज निवासी ग्राम अठसेनी, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ शामिल हैं। आरोप है कि अभियुक्तों ने दो लोगों को ढाबे पर ले जाकर उनके साथ मारपीट की थी, जिसके संबंध में थाना गढ़मुक्तेश्वर में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक लोकेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक शशिपाल सिंह सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

कार में संदिग्ध परिस्थितियों में लगी भीषण आग, जलकर हुई खाक

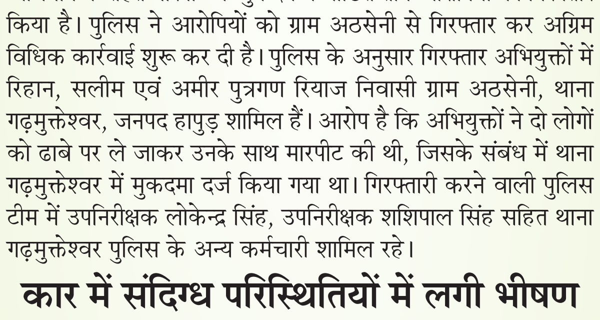

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के फ्रीगंज रोड पर कूड़े के ढेर के पास खड़ी एक कार में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार फ्रीगंज रोड पर ज्ञानलोक के सामने एक व्यक्ति अपनी कार को कूड़े के ढेर के पास खड़ी कर एसी चालू करके बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक कूड़े के ढेर में आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए कार तक पहुंच गई और कुछ ही देर में वाहन धू-धू कर जलने लगा। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, परिजनों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव भोवपुर मस्तान नगर निवासी शुभम गोयल पुत्र लोकेश गोयल की शादी दो वर्ष पूर्व ऋषिकेश, उत्तराखंड निवासी अदिति गर्ग पुत्री सचिन कुमार के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। बताया गया है कि एक दिन पूर्व अदिति द्वारा जहरीला पदार्थ खाने के मामले में उसे पिलखुवा स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

संपादकीय

आरक्षण की नई बहस और सामाजिक न्याय की असली कसौटी

देश में आरक्षण व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर बहस छिड़ गई है। सर्वोच्च न्यायालय में 22 मई 2026 को हुई सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइंया की पीठ ने जो टिप्पणियां कीं, उन्होंने सामाजिक न्याय, समान अवसर और आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था पर नए सिरे से सोचने की जरूरत को सामने ला दिया है। अदालत ने सवाल उठाया कि यदि किसी अभ्यर्थी के माता पिता दोनों भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और समाज में उच्च पद तथा प्रतिष्ठा प्राप्त कर चुके हैं, तो क्या उनके बच्चों को भी उसी प्रकार आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए, जैसा उन परिवारों को मिलना चाहिए जो आज भी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। यह सवाल केवल एक कानूनी विवाद नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सबसे संवेदनशील विषयों में से एक सामाजिक न्याय की दिशा और भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। भारत में आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं था। संविधान निमार्ताओं ने इसे उन वर्गों को मुख्यधारा में लाने का माध्यम माना था, जिन्हें सदियों तक सामाजिक भेदभाव, छुआछूत, अशिक्षा और अवसरों से वंचित रखा गया। इसी सोच के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और बाद में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण लागू किया गया। लेकिन समय के साथ यह प्रश्न लगातार उठता रहा है कि क्या आरक्षण का लाभ उन्हीं लोगों तक सीमित रह पा रहा है, जिनके लिए यह व्यवस्था बनाई गई थी। ओबीसी वर्ग में क्रीमी लेयर की अवधारणा इसी चिंता से पैदा हुई थी, ताकि सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत हो चुके परिवार लगातार लाभ न उठाते रहें और वास्तविक जरूरतमंदों तक अवसर पहुंच सके।

सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियां इसी मूल भावना की याद दिलाती हैं। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया कि केवल आय को आधार बनाना पर्याप्त नहीं हो सकता। सामाजिक स्थिति, परिवार की शैक्षिक पृष्ठभूमि, प्रशासनिक प्रभाव और पीढ़ियों से प्राप्त अवसरों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। यदि किसी परिवार ने आरक्षण के माध्यम से शिक्षा, नौकरी और सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली है, तो यह देखना जरूरी हो जाता है कि क्या उसी परिवार की अगली पीढ़ी भी उसी श्रेणी की वंचना का सामना कर रही है। यही वह बिंदु है जहां वर्तमान व्यवस्था पर पुनर्विचार की आवश्यकता महसूस होती है।

दरअसल, देश में आरक्षण को लेकर दो समानांतर भावनाएं हमेशा मौजूद रही हैं। एक पक्ष मानता है कि जब तक समाज में जातिगत भेदभाव पूरी तरह समाप्त नहीं होता, तब तक आरक्षण की आवश्यकता बनी रहेगी। वहीं दूसरा पक्ष यह तर्क देता है कि आरक्षण का लाभ सीमित परिवारों तक सिमटता जा रहा है और इससे वास्तविक रूप से पिछड़े लोग पीछे छूट रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी ने इन दोनों पक्षों के बीच संतुलन बनाने की दिशा में एक नई बहस को जन्म दिया है।

यह भी सच है कि भारत में सामाजिक पिछड़ापन केवल आय से तय नहीं होता। कई ऐसे परिवार हैं जिनकी आय बढ़ गई है, लेकिन उन्हें अब भी सामाजिक स्तर पर भेदभाव और असमानता का सामना करना पड़ता है। दूसरी ओर ऐसे परिवार भी हैं जिन्होंने सरकारी सेवाओं, शिक्षा और राजनीतिक प्रभाव के जरिए मजबूत स्थिति हासिल कर ली है। इसलिए केवल आर्थिक सीमा तय कर देना पर्याप्त समाधान नहीं हो सकता। अदालत का संकेत इसी व्यापक सामाजिक मूल्यांकन की ओर है।

~ मौलिक चिंतन ~

सत्य सदैव सौम्य और शान्त होता है, इसके विपरीत झूठ हमेशा वाचाल व आक्रामक।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

1975 का आक्रोश और 2026 का बेचैन भारत?

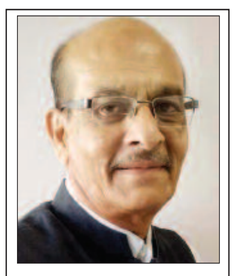

सनत जैन

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1975 केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि सत्ता, आर्थिक संकट और जनाक्रोश के टकराव का प्रतीक भी है। 2026 में देश की परिस्थितियों को देखकर बार-बार 1975 की महंगाई का वही प्रश्न उठता है, क्या भारत फिर किसी बड़े राजनीतिक और सामाजिक विस्फोट की ओर बढ़ रहा है? जिसमें सत्ता का परिवर्तन भी हुआ था। 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को पराजित कर स्वतंत्र राष्ट्र के तौर पर बांग्लादेश का निर्माण कराया था। करीब एक करोड़ शरणार्थियों का बोझ भारत ने उठाया। पाकिस्तानी सेना के 95000 से अधिक जवान आत्मसमर्पण कर भारत में रहे। युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंध ने तेल संकट और आर्थिक प्रतिबंधों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी थी। पेट्रोल, डीजल और खाद्यान्न की कमी ने महंगाई को विस्फोटक बना दिया। इंदिरा गांधी 1971 का युद्ध जीतकर ह्लदुर्गाह्व कहलायीं, लेकिन 1974 आते-आते जनता की नजर में वही इंदिरा गांधी की सरकार महंगाई और बेरोजगारी की प्रतीक बन गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित किया गया, इसने आंदोलन की आग में घी डालने और आंदोलन को उग्र किया। छात्र, कर्मचारी, ट्रेड यूनियन और विपक्ष एक मंच पर आ गए। जयप्रकाश नारायण ने व्यवस्था परिवर्तन का नारा दिया। रेलवे हड़ताल से लेकर विश्वविद्यालयों के छात्र आंदोलनों तक से देश उबाल पर था। जेपी ने पुलिस और सेना को सरकार के आदेश नहीं मानने का आव्हान किया। जब सरकार को लगा कि आंदोलन नियंत्रित करना संभव नहीं है, सत्ता हाथ से निकल सकती है, तब 25 जून 1975 को सरकार ने आपातकाल लागू कर दिया। लोकतंत्र को कुचलने की वह कीमत अंततः कांग्रेस को 1977 के चुनाव में चुकानी पड़ी। उत्तर भारत में कांग्रेस की करारी पराजय हुई। आज का भारत भले तकनीकी रूप से आधुनिक हो। आर्थिक और सामाजिक बेचैनी 1975 जैसी खतरनाक स्तर तक बढ़ती हुई दिख रही है। रुपया लगातार गिर रहा है। 97 के स्तर पर पंहुच गया है। महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही है, आयात बढ़ गया है। विदेशी मुद्रा का संकट है। युवाओं में बेरोजगारी को लेकर गुस्सा बढ़ रहा है। करोड़ों डिग्रीधारी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, भर्ती घोटालों और अस्थायी रोजगार से त्रस्त हैं। जिन युवाओं को अच्छे दिन, करोड़ों युवाओं को हर साल नौकरी देने और ह्लविश्वगुरु भारतह्व का सपना दिखाया गया था। वही युवा वर्ग आज नौकरी और भविष्य की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है, जनता का भरोसा वर्तमान सरकार से तेजी से कमजोर पड़ता दिख रहा है। किसान आंदोलनों, अग्निवीर योजना के विरोध, पेपर लीक, आरक्षण विवाद और मतदाता सूची से नाम काटे जाने भ्रष्टाचार जैसे आरोपों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं। न्यायपालिका को लेकर असंतोष और अविश्वास बढ़ा है। हाल में बेरोजगार युवाओं को लेकर मुख्य न्यायाधीश की कथित टिप्पणी ने युवाओं के आक्रोश को और हवा दी है। जब जनता को यह महसूस होने लगे, सत्ता, प्रशासन और न्याय तीनों उसकी पीड़ा को नहीं सुन रहे हैं, तब व्यवस्था के प्रति अविश्वास खतरनाक मोड़ पर पंहुच जाता है। मंहगाई, बेरोजगारी और कर्ज के कारण आम आदमी का जीवन मुश्किल हो गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में युवाओं का उग्र असंतोष सत्ता परिवर्तन का कारण बना है। भारत में भी सोशल मीडिया के दौर में नाराजगी अधिक तेजी से फैल रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भारत का आकार और सोच कहीं अधिक बड़ी है। यदि आर्थिक संकट, बेरोजगारी, कर्ज और राजनीतिक, धार्मिक ध्रुवीकरण इसी तरह बढ़ते रहे, तो सामाजिक परिवर्तन की दशा में 1975 से ज्यादा गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता। जब जनता की थाली महंगी हो, जेब खाली हो और भविष्य अंधकारमय लगे, तब सबसे शक्तिशाली सरकार का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। 1975 में सत्ता ने असहमति को दबाने का रास्ता चुना था। 2026 के भारत में सत्ता के सामने यही चुनौती है। वर्तमान सरकार लोकतंत्र में पूंजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था जिसमें समाज के सभी कमजोर वर्ग को राहत मिले। यह रास्ता चुनेगी या एक बार फिर इतिहास खुद को दोहराने की कोशिश करेगा।

जातिगत जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर

किशन सनमुखदास

चुनौती याचिका 20 मई 2026 को खारिज- संवैधानिक वैधता, सामाजिक न्याय और भारत की नई नीति- व्यवस्था की दिशा का व्यापक समग्र विश्लेषण...

भारत की जनगणना 2027 डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है.

सुप्रीम कोर्ट का 20 मई 2026 का यह फैसला केवल एक याचिका खारिज करने तक सीमित नहीं है।बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय की अवधारणा और डेटा- आधारित शासन प्रणाली के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णय.

वैश्विक स्तरपर भारत में वर्षों से चल रही जातिगत जनगणना की बहस को बुधवार 20 मई 2026 को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब भारतीय सुप्रीमकोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले ने केवल एक कानूनी विवाद का अंत नहीं किया,बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दे दिया कि भारत में होने वाली जनगणना 2027 पूरी तरह संवैधानिक,कानूनी और नीतिगत अधिकारों केदायरे में संचालित की जा रही है। बता दें इसके पूर्व भी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (11 अप्रैल, 2026) को केंद्र को जाति जनगणना रोकने का निर्देश देने वाली याचिका को खारिज कर दियाथा और जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की कड़ी आलोचना की। पिछले कुछ महीनों से जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक स्तर पर तीखी बहस चल रही थी। कुछ वर्ग इसे सामाजिक न्याय का आधार बता रहे थे, जबकि विरोधी पक्ष इसे सामाजिक विभाजन बढ़ाने वाला कदम कह रहा था। किंतु सर्वोच्च अदालत के ताजा निर्णय ने यह स्थापित कर दिया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह अधिकार है कि वह देश की सामाजिक संरचना, विशेषकर पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और स्थिति को समझने के लिए डेटा एकत्र करे, ताकि उसके आधार पर कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत की जनगणना 2027 केवल एक पारंपरिक जनगणना नहीं मानी जा रही,बल्कि इसे डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से चली आ रही जनगणना व्यवस्था अब तकनीकी रूप से आधुनिक स्वरूप में प्रवेश कर चुकी है।

साथियों इस बार की जनगणना दो बड़े चरणों में आयोजित की जा रही है।पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुआ,जिसमें हाउस लिस्टिंग और आवासीय गणना की प्रक्रिया अपनाई गई। 16 अप्रैल से 15 मई 2026 तक चले इस चरण में देशभर के घरों,संपत्तियों,भवनों, आवासीय सुविधाओं, जल स्रोतों, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, रसोई, वाहन और सामाजिक- आर्थिक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित डेटा संकलित किया गया।यह चरण केवल जनसंख्या गिनने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह देश की जीवन- स्थितियों का व्यापक सामाजिक -आर्थिक सर्वेक्षण भी बन गया।जनगणना का दूसरा चरण वर्ष 2027 में प्रारंभ होगा, जिसमें प्रत्येक परिवार और उसके सदस्यों की विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें आयु, शिक्षा, रोजगार, भाषा, वैवाहिक स्थिति, प्रवासन, सामाजिक श्रेणी और विशेष रूप से जातिगत विवरण शामिल होंगे। पहली बार इतनी व्यापक डिजिटल प्रणाली अपनाई जा रही है जिसमें मोबाइल ऐप, टैबलेट आधारित डेटा एंट्री, ऑनलाइन सत्यापन और केंद्रीकृत डेटा मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।सरकार का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि डेटा आधारित नीति निर्माण को मजबूत करना है। यही कारण है कि जातिगत आंकड़ों को अब सामाजिक न्याय और संसाधन वितरण के दृष्टिकोण से सटीक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि जातिगत जनगणना करना या न करना सरकार का नीतिगत अधिकार है।अदालत ने कहाकि जब तक कोई नीति संविधान या कानून का उल्लंघन नहीं करती, तब तक न्यायपालिका उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत की यह टिप्पणी भारतीय लोकतंत्र में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को भी मजबूती देती है, जहां नीति निर्माण कार्यपालिका का क्षेत्र माना जाता है और न्यायपालिका केवल वैधानिकता की समीक्षा करती है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग और सामाजिक रूप से वंचित समूहों की वास्तविक संख्या कितनी है,ताकिउनके लिए उपयुक्त कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें।अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जाति आधारित गणना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है।यदि सरकार सामाजिक और आर्थिक नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आंकड़े जुटाना चाहती है, तो यह उसका वैध प्रशासनिक अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि किसी नीति के संभावित दुरुपयोग की आशंका मात्र से उसे रोका नहीं जा सकता। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यही था कि जातिगत आंकड़ों का राजनीतिक और सामाजिक दुरुपयोग हो सकता है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि सरकार के पास पहले से ही पर्याप्त सामाजिक डेटा उपलब्ध है, इसलिए अलग से जातिगत गणना की आवश्यकता नहीं है। किंतु अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि सरकार को समकालीन और प्रमाणिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि पुराने डेटा के आधार पर प्रभावी नीति निर्माण सटीक रूप से संभव नहीं है।

साथियों, यह फैसला सामाजिक न्याय की राजनीति और प्रशासनिक नीति दोनों के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। भारत में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि आरक्षण, कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व का वास्तविक आधार क्या होना चाहिए। अनेक विशेषज्ञों का मानना रहा है कि बिना अद्यतन जातिगत आंकड़ों के सामाजिक न्याय की नीतियां अधूरी रहती हैं। स्वतंत्र भारत में 1931 के बाद व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े उपलब्ध नहीं रहे, जिसके कारण पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को लेकर लगातार विवाद बना रहा। ऐसे में जनगणना 2027 को एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना का वास्तविक चित्र सामने ला सकती है।

साथियों, राजनीतिक दृष्टि से भी यह मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुका है। कई राज्यों में जातिगत सर्वेक्षण और सामाजिक गणना पहले ही राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुके हैं। बिहार, कर्नाटक और अन्य राज्यों में किए गए जातीय सर्वेक्षणों ने राष्ट्रीय स्तर पर बहस को और तेज किया। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की दिशा में आगे बढ़ना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि भविष्य की नीतियां अधिक डेटा-आधारित और लक्ष्य केंद्रित होंगी। इससे यह भी संभावना बढ़ेगी कि सामाजिक योजनाओं में संसाधनों का वितरण वास्तविक जनसंख्या अनुपात और जरूरतों के आधार पर किया जा सके।

साथियों, सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 11 अप्रैल 2026 को भी ऐसी ही एक याचिका को खारिज किया था, जिसमें केंद्र सरकार को जातिगत जनगणना रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। उस समय अदालत ने याचिका में प्रयुक्त भाषा पर भी कड़ी टिप्पणी की थी। अदालत का यह लगातार रुख स्पष्ट करता है कि वह जनगणना जैसे प्रशासनिक और नीतिगत विषयों में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप से बचना चाहती है। इससे यह संदेश भी गया है कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में नीति निर्माण की प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचित सरकारों की होती है।जातिगत जनगणना के समर्थकों का तर्क है कि भारत जैसे बहुस्तरीय सामाजिक ढांचे वाले देश में समान अवसर और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। यदि सरकार को यह ज्ञात ही नहीं होगा कि किस समुदाय की आबादी कितनी है, उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति कैसी है, तो योजनाओं का सही लक्ष्य निर्धारण संभव नहीं होगा। यही कारण है कि अदालत ने भी सरकार की इस आवश्यकता को स्वीकार किया कि पिछड़े वर्गों की संख्या और स्थिति जानना शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक है।दूसरी ओर, विरोधियों की आशंका यह रही है कि जातिगत पहचान को फिर से केंद्र में लाने से सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। उनका मानना है कि आधुनिक भारत को जाति से ऊपर उठकर आर्थिक और मानव विकास के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है- सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ह्लसत्यं वद, धर्मं चरह्व, ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में

भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल ह्लहिंदू विरोधह्व बनाम ह्लराजनीतिक विरोधह्व के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को ह्लधर्म बनाम धर्मह्व की लड़ाई से ऊपर उठकर ह्लजन बनाम जनसमस्याह्व के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अत: अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

द्य पौधे पीले पड़ने लगते हैं।

द्य पौधे की बढ़वार रुक जाती है

द्य भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।

द्य अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

गेहूं

रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं। अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है। अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है। परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

सरसों की ओरोबंकी

ओरोबंकी :- ओरोबंकी या आग्या (ब्रुमरेप) की जातियाँ पूर्ण रूप से मूल परजीवी होती हैं। यह विभिन्न फसलों पर आक्रमण करती हैं जिसमें सरसों, बैंगन, टमाटर, तम्बाकू, फूलगोभी, पत्तागोभी, शलजम और कई सोलोनेसी तथा कुसीफेरी कुल के पौधें शामिल हैं। सरसों, तोरिया, राया फसलों पर ओरोबंकी इजिप्टिका का आक्रमण सबसे पहले राजस्थान के अलवर, भरतपुर, सवाई माधोपुर क्षेत्र में देखा है। ओरोबंकी सेरनुआ एक दूसरी पर जाति है जोकि बिहार क्षेत्रों में सरसों की फसल पर परजीवी है। सरसों की फसल में इसके प्रकोप से 10 से 70 प्रतिशत तक हानि हो सकती है। यह परजीवी सरसों उगाये जाने वाले सभी क्षेत्रों में जैसे - राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा में पाया जाता है।

लक्षण :- ओरोबंकी से ग्रस्त सरसों के पौधे छोटे रह जाते हैं और कभी-कभी मर भी जाते हैं ओरोबंकी के चूषकांग (हास्टोरिया) सरसों की जड़ों में घुस कर पोषक तत्व प्राप्त करते है। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि ओरोबंकी की जड़ें सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधें के नीचे मिट्टी से निकलते हुये ओरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण के उपाय

1. नये क्षेत्रों में बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये। 2. ओरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़ कर या सावधानी से साधारण कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
3. यदि बीज बन गये हों तो पौधों को सावधानी से निकालना चाहिये जिससे बीज भूमि में नहीं मिलें।
4. जिन क्षेत्रों में बहुत अधिक प्रकोप होता है वहां सरसों की फसल ट्रेप क्रोप के रूप में बोनी चाहिये। 30 से 40 दिन में परजीवी के पौधे बाहर निकलते दिखाई दें तो नवम्बर के अंत में गहरी जुताई करके सरसों सहित इसके भूमिगत तने को नष्ट कर देना चाहिये। इसके बाद अन्य फसल बो देना चाहिये।
5. जब तक इसका पूर्ण नियंत्रण नहीं हो जाता सरसों के स्थान पर अरण्डी की फसल बोयें, क्योंकि अरण्डी एक वर्षीय फसल है इससे परजीवी को रोकने में मदद मिलेगी।
6. कुछ पौधों जैसे मिर्च के बोने से ओरोबंकी के बीजों का अंकुरण हो जाता है लेकिन मिर्च की फसल पर इस परजीवी से कोई नुकसान नहीं होता है। इस प्रकार भूमि में मौजूद ओरोबंकी के बीजों को अंकुरित कर इस फसल का ट्रेप फसल के रूप में प्रयोग कर परजीवी के पौधों को नष्ट किया जा सकता है। इस प्रकार मिर्च, सरसों फसल चक्र अपनाने से इस परजीवी का प्राकृतिक रूप से नियंत्रण हो जायेगा।
7. लम्बे समय तक फसल चक्र अपनाकर इसकी उग्रता को रोका जा सकता है।
8. पौधों की भूमि की सतह के पास 25 प्रतिशत ताम्र घोल का छिड़काव करने से परजीवी नष्ट किये जा सकते हैं।
9. ओरोबंकी पौधों पर सोयाबीन के तेल की 2 बूंदे डाल देने से पौधा मर जाता है।
10. सरसों की आग्या रोगरोधी किस्म दुर्गामणि की बुवाई करें।

पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन

गलघोंटू- यह बीमारी पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होती हैं।

लक्षण- इस बीमारी से ग्रसित पशु को तेज बुखार (106 से 108 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं मुंह से बहुतायत में लार बहती हैं, सिर में तथा अगले दोनों पैरों के बीच दुखदायी सूजन, पेटशूल तथा भूख न लगना, साँस लेने में तकलीफ, खून भरे दस्त, आंखों में सूजन, जीभ बड़ी तथा लाल होना, गिटकने में कठिनाई आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव:- बरसात से पूर्व गलघोंटू रोग विरोधी टीका ऑईल ॲडज्युव्हंट- वैक्सीन जिस पशु का शरीर भार 150 कि.ग्रा. तक हैं उन्हें लगवायें। जिन पशुओं का शरीर भार 150 किलो से ज्यादा हैं उन्हें ॲलम प्रेसिपिटेटेड वॅक्सीन 5 से 10 मिली त्वचा के नीचे लगवायें। टीकाकरण करने से पशु के शरीर में एक वर्ष तक इस रोग विरोधी शक्ति बनी रहती हैं। टीकाकरण न करने पर पशु की मृत्यु हो सकती हैं।

जहरी बुखार- इसे अंग्रेजी भाषा में ॲथ्रेक्स कहते हैं तथा ये बॅसिलस ॲथ्रॅसिस नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं।

लक्षण- पशु को तेज बुखार होता है, पेट फूल जाता हैं, सभी प्राकृतिक छिद्रो से यानि नॉक, मुंह, योनी द्वार, गुद्दवार, कान से गहरे काले रंग का खून बहता हैं जो जमता नहीं हैं यह इस बीमारी का प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु हो जाती हैं।

बचाव- बरसात से पहले इस रोग विरोधी टीका ऑंरी अंथ्रंक्स सीरम और साथ ही ब्रॉड स्पेक्ट्रम प्रति जैविक अंटीसीरम 100 से 350 मि.ली नस में लगवायें।

लंगड़ा रोग- अंग्रेजी में इस रोग को ब्लॅक क्वार्टर नाम से जाना जाता हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं.

लक्षण- पशु को तेज बुखार होता हैं, पुट्ठों पर विशेषकर पिछले पुट्ठे पर तथा शरीर में सूजन पैदा हो जाती है। पुट्ठों पर जो सूजन पैदा होती हैं उसे दबाने पर करकर जैसी आवाज आती हैं क्योंकि उसमें जीवाणु गैस (वायु) पैदा करते हैं।

बचाव - बरसात से पूर्व इस रोग विरोधी टीका (अंटीसीरम) 200 से 400 मिली नस में लगवायें।

उपाय- पेनीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासीन तथा नॉर फ्लोक्सासीन जैसे प्रति जैविक इस रोग को नियंत्रण करने में काफी प्रभावशाली पाये गये हैं। लेकिन पशुओं को इस रोग की बाधा होती ही नहीं चाहिए इसलिये इस रोग विरोधी टीका बरसात से पहले अवश्य लगवा लें.

खुरपका-मुंहपका रोग- इसे अंग्रेजी भाषा मे फूट अंड माउथ डिसीज कहते हैं क्योंकि इस रोग से ग्रसित पशु के पैर तथा मुंह दोनों ज्यादा प्रभावित होते हैं.

लक्षण- इस रोग से ग्रसित पशु को तेज बुखार (104 से 106 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं। पशु के मुंह में छाले हो जाते हैं जो बाद में फूट जाते हैं और वहाँ जख्म बन जाते हैं। इससे पशु के मुंह से लगातार चिपचिपी लार टपकती रहती हैं जो गाढ़ी होती हैं और मुंह से जमीन तक तार के माफिक टपकती रहती हैं। पशु के मुंह में दर्द होने से वह कुछ भी खा नहीं सकता अतः कमजोर हो जाता हैं। इसी प्रकार उसके खुरों के बीच भी फोड़े बन जाते हैं जो बाद में फूटकर वहां भी जख्म बन जाते हैं। पशु को काफी दर्द होने से वह चल-फिर नहीं सकता। अतः चराई नहीं कर सकता। जिससे वह और भी कमजोर हो जाता हैं।

रोग के बढ़ने पर मुंह तथा खुर पैर टेढ़े हो जाते हैं. देशी जातियों की गायों की इस रोग-विरोधी शक्ति संकर तथा विदेशी पशुओं की अपेक्षा ज्यादा होने से वह मरती नहीं हैं लेकिन शरीर में विकृतियाँ जैसे मुंह तथा खुर टेढे होना मुंह के भीतर के दाँत गिर जाना आदि नुकसान तो निश्चित होते ही हैं.

उपाय- बचाव: यह रोग विषाणु जन्य होने के कारण इस रोग का कोई उपाय नहीं हैं। रोग होने पर प्रति जैविक देना चाहिए लेकिन पशुओं को यह रोग होना ही नहीं चाहिए इसलिये बरसात से पूर्व इस रोग-विरोधी टीका क्वाड्री -व्हॅलंट फील्ड,वॅक्सीन चमड़ी के नीचे लगवाना चाहिए। यह वर्ष में दो बार लगवायें। यह करवाने से हम अपने अमूल्य पशुधन को इस बीमारी से बचाये रख सकते हैं। अतः टीकाकरण अवश्य करवायें।

टिकाऊ खेती आज की आवश्यकता

जनसंख्या एवं खाद्यान्न उत्पादन

भारत की जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 102.7 करोड़ को छू चुकी है जो 1991-2000 तक 1.9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि में रही, जबकि खाद्यान्न उत्पादन 2003-04 में 213.5 मिलियन टन तक पहुंचा अर्थात् 2.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से.

इन आंकड़ों को प्रस्तुत करने से तात्पर्य है कि खाद्यान्न में यह वृद्धि से अधिक रही है जो कि संतोषजनक स्थिति है और अभी तो भोजन पेट भर मिल रहा है लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या 2025 में हमें पेट भर भोजन प्राप्त होगा? अगर नहीं तो हम आगे क्या करेंगे?

हमें आगे भी 21वीं सदी के बाद से खाद्यान्न में लगभग 25-30 प्रतिशत की वृद्धि कायम रखनी होगी अन्यथा पूरा देश हमारा सूखा घोषित हो जायेगा जिससे की लगभग 14 प्रतिशत उत्पादन में गिरावट होगी जो भविष्य के लिए प्रगति के उत्तम संकेत नहीं हैं.

भूमि-जल पर्यावरण

खेती में उर्वरकों, कीटनाशकों शाकनाशियों अर्थात् रसायनों के अत्यधिक प्रयोग में भूमि की दशा निश्चय ही खराब हुई है. जिससे की भूमि के लाभदायक कीट, केंचुए, जीवाणु इत्यादि नष्ट हुए हैं, साथ ही साथ सूक्ष्म तत्वों में भी भारी कमी हुई. अतः जीवांश खादों के प्रयोग से हम रोक सकते हैं फसल चक्र अपना सकते हैं उर्वरकों का संतुलित प्रयोग कर सकते हैं कई जंगल भी नष्ट किये गये सघन पद्धतियों के प्रयोग के कारण जिससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है अर्थात् इसका दोहन कम किया जाए एवं इन्हें संरक्षित किया जाने का प्रयास करना नितांत आवश्यक है.

लाभ/खर्च अनुपात

हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए खाद्यान्न की उपलब्धि बनाये रखने के लिए सस्य रसायनों का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही जा रहा है. जिससे की हमारी भूमि में मृदा में तथा मृदा के गुणों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है. यदि यह प्रक्रिया लंबी अवधि तक चलती रही तो भूमि एवं जल की उपादेयता समाप्त हो जायेगी और नई पीढ़ी का जीवन ही असुरक्षित हो जायेगा वर्तमान में हमारे देश की जनसंख्या दिनों-दिन बढ़ रही है और कृषि क्षेत्र बराबर कम होता जा रहा है. ऐसी परिस्थिति में हम टिकाऊ खेती का प्रयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का इसका इस प्रकार से प्रयोग किया जाए कि वर्तमान व भविष्य दोनों में संतुलन हो. इस प्रकार की खेती का प्रयोग करके हम अपने भविष्य की पीढ़ी को सुरक्षित तो कर रही है बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा एवं सुरक्षा करके या उन्हें सुरक्षित बनाये रखने का कर्त्तव्य भी पूरी तरह निभा रहे हैं. अर्थात् हमें टिकाऊ खेती का प्रयोग किया जाना चाहिए. जिसके द्वारा हमें आर्थिक लाभ एवं भारत सरकार को पूर्णतः उत्पादन से लाभ प्राप्त हो सके.

कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लाने के लिए उत्पादकता टिकाऊपन तथा समानता की बहुत जरूरत है हमें भारत में भी बदलते पर्यावरण में कृषि निर्वाह की प्राथमिकता देनी अनिवार्य आवश्यकता है. इसका मुख्य उद्देश्य भविष्य में हम आर्थिक दृष्टि से कारगर, पर्यावरण की दृष्टि त्रुटीहीन सामयिक दृष्टि से सुसंगत प्रौद्योगिकी जो कम लागत पर अधिक से अधिक कृषि उत्पाद दे सकें.

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि टिकाऊ खेती मानव जाति को निरंतर खुशहाली प्रदान का वचन देती है.

टिकाऊ खेती का महत्व

टिकाऊ खेती का महत्व सबसे अधिक वर्तमान खेती की प्रणालियों, तरीकों एवं समस्याओं को सुधारने में है. टिकाऊ खेती मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़ी हुई हैं मृदा, जल, ऊर्जा, वन-विकास एवं जंगली पशुओं की सुरक्षा या इन्हें सुरक्षित रखने से है. टिकाऊ खेती में इनके प्रबंधन पर विशेष प्रकार से ध्यान दिया जाता है. कई प्रकार की उत्पन्न समस्याओं जैसे- सौर ऊर्जा का उचित प्रयोग, वातावरण प्रदूषण की रोकथाम पर्यावरण का संतुलन डगमगाना इत्यादि समस्याओं पर विशेष रूप से ध्यान देना ही इसमें निम्न विषय है अर्थात् भविष्य में टिकाऊ खेती के माध्यम से इन समस्याओं को सुधारने का प्रयास किया जा रहा है.

टिकाऊ खेती का लाभ

- पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाये रखने में टिकाऊ खेती का प्रमुख कार्य है.
- वातावरणीय प्रदूषण कम होता है.
- लगाई फसलों की उत्पादन लागत कम आती है.
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन उचित प्रकार से करते हैं.
- टिकाऊ खेती में भूमि, जल, ऊर्जा इत्यादि प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग हम इस प्रकार से करते हैं कि भविष्य में आने वाली पीढ़ियां इसका प्रयोग एवं दोहन ध्यान रखकर कर सकें.

फुजियामा पावर सिस्टम्स रतलाम में लगाएगी 1.2 गीगावाट का सौर सेल संयंत्र

नई दिल्ली ।

फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट का टॉपकॉन सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी संयंत्र में एक गीगावाट की मोनो पीईआरसी सौर सेल विनिर्माण सुविधा संचालित करती है। फुजियामा पावर सिस्टम्स ने शुक्रवार को कहा कि रतलाम में 1.2 गीगावाट टॉपकॉन क्षमता जुड़ने के साथ कंपनी सौर मूल्य श्रृंखला में अपनी एकीकृत विनिर्माण क्षमताओं को काफी मजबूत करेगी। रतलाम टॉपकॉन संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन वित्त वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही से शुरू होने की उम्मीद है। इस परियोजना के लिए अनुमानित निवेश 350 करोड़ रुपये है, जिसे ऋण एवं आंतरिक संसाधनों के संयोजन से वित्तपोषित किया जाएगा। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह विस्तार हमारी एकीकरण क्षमता को मजबूत करता है, लागत नियंत्रण को बेहतर बनाता है और डीसीआर-अनुपालन सौर सेल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करता है। फुजियामा पावर सिस्टम्स रूफटॉप सौर समाधान प्रदान करने वाली एक प्रमुख कंपनी है। इसका कारोबार सौर पैनल, इन्वर्टर, लिथियम व ट्यूबलर बैटरी, चार्जर तथा पावर-इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों के विस्तृत खंड में फैला है।

सेंट्रल बैंक में सरकार का विनिवेश, 2455 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी हिस्सेदारी घटाने जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बैंक में कुल 8 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेची जाएगी। शुरुआत में 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची जाएगी, जबकि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त 4 प्रतिशत हिस्सेदारी ग्रीन शू विकल्प के तहत उतारी जा सकेगी। शुक्रवार को बड़े और संस्थागत निवेशक बोली लगा सकेंगे, वहीं खुदरा निवेशकों के लिए बोली सोमवार को खुलेगी। फिलहाल बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 89.27 प्रतिशत है। अगर पूरी 8 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक जाती है, तो सरकार को करीब 2,455 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यह कदम बाजार में पब्लिक शेयरहोल्डिंग बढ़ाने और विनिवेश से राजस्व जुटाने की सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

भारत के असंगठित क्षेत्र में रोजगार पहली बार 15 करोड़ के पार

सेवा क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों की अगुवाई में रोजगार में 15.51 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी तिमाही बुलेटिन के अनुसार, भारत के असंगठित गैर-कृषि क्षेत्र में रोजगार ने जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में पहली बार 15 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 15.51 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है, जो 13.13 करोड़ से बढ़कर 15.17 करोड़ हो गया है। एनएसओ ने इस वृद्धि को क्षेत्र में स्वस्थ श्रम बाजार और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए रोजगार के प्रमुख स्रोत के रूप में बताया है। एनएसओ के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक अनुमानित प्रतिष्ठानों की संख्या 16.7 प्रतिशत बढ़कर 9.16 करोड़ हो गई। यह विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से मजबूत रहा, जहां प्रतिष्ठानों में सालाना 20.46 प्रतिशत और रोजगार में 21.65 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो शहरी क्षेत्रों (क्रमशः 12.59 और 10.39 फीसदी) की तुलना में काफी अधिक है। सेवा क्षेत्र इस वृद्धि का मुख्य चालक रहा, जहां प्रतिष्ठानों में 24.82 प्रतिशत और रोजगार में 31.13 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह असंगठित अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता खंड बन गया। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार में 10 फीसदी की वृद्धि देखी गई, जबकि व्यापार क्षेत्र में 2.2 फीसदी की वृद्धि हुई। कुल कार्यबल में वर्किंग ओनर्स का दबदबा रहा, जिनकी हिस्सेदारी बढ़कर 60.97 फीसदी हो गई। महिला श्रमिकों का इस क्षेत्र के कुल रोजगार में लगभग 29 फीसदी योगदान रहा। डिजिटल अपनाने में भी तेजी देखी गई, जहां 81 प्रतिशत प्रतिष्ठानों ने व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट का उपयोग किया और समान प्रतिशत ने कैशलेस लेनदेन को अपनाया। इसके अतिरिक्त, औपचारिकता की दिशा में भी प्रगति हुई है, पंजीकृत प्रतिष्ठानों का हिस्सा एक साल पहले के 36.2 फीसदी से बढ़कर 41.37 फीसदी हो गया है, जो इस क्षेत्र में बढ़ती संरचनात्मक मजबूती को दर्शाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 231, निफ्टी 64 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती से भी बाजार को बल मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.99 अंक बढ़कर 75,415.35 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 64.60 अंक उछलकर 23,719.30 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व में एक फीसदी से अधिक तेजी आई। दूसरी ओर आईटीसी, पावरग्रिड, बीईएल, भारती एयरटेल, इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के शेयरों में श्रीराम फाइनेंस और एक्सिस बैंक में सबसे ज्यादा तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप 0.14 फीसदी उछला जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.15 फीसदी गिरा। निजी निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी बैंक में तेजी रही जबकि निफ्टी फार्मा,निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मीडिया के शेयर टूटे। इससे पहले आज सुबह निफ्टी 127.40 अंक चढ़कर 23,786.65 पर पहुंच गया। वहीं, बीएसई सेंसेक्स 488.97 अंक उछलकर 75,681.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। हालांकि, मुख्य सूचकांकों में बढ़त के बावजूद, बाजार के व्यापक हिस्से में कमजोरी का माहौल देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.13 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.08 फीसदी की गिरावट रही। अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक वार्ताओं पर निवेशकों की करीबी नजर है, खासकर ऐसी रिपोर्ट्स के बाद कि ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम के भंडार को देश के भीतर ही रखने की योजना बना रहा है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स का मुनाफा बढ़कर 250 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 10 गुना होकर 250.1 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वर्ष की समान अवधि में 25 करोड़ रुपये था। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय भी दोगुने से अधिक होकर 4,143.5 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,589.3 करोड़ रुपये थी।गत वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा दो गुना से अधिक होकर 1,195.5 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 467.5 करोड़ रुपये था। कुल आय 7,735.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 13,195.5 करोड़ रुपये हो गई। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड देश के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

बीएसई ने चुनिंदा स्मॉलकैप शेयरों के सर्किट फिल्टर घटाए

असामान्य तेजी और कम लिक्विडिटी वाले शेयरों पर प्राइस कंटेनमेंट मेजर्स लागू

नई दिल्ली ।

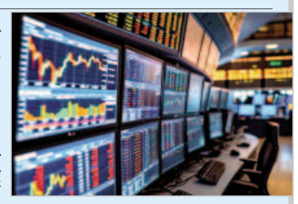

शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता और चुनिंदा स्मॉलकैप शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव के मद्देनजर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने महत्वपूर्ण निगरानी उपाय किए हैं। 22 मई से एक्सचेंज ने कई कम लिक्विडिटी वाले शेयरों के सर्किट फिल्टर को कम कर दिया है और निवेशकों को ट्रेड-टू-ट्रेड सेगमेंट से जुड़े नियमों के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी है। बीएसई के अनुसार यह कदम प्राइस कंटेनमेंट मेजर्स का हिस्सा है, जो उन शेयरों पर लागू होते हैं जहाँ असामान्य मूल्य वृद्धि, अत्यधिक सट्टेबाजी, कम तरलता या ट्रेडिंग वॉल्यूम में अचानक वृद्धि देखी जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य शेयरों में अनियंत्रित तेजी या गिरावट को रोकना और खुदरा निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इन उपायों के तहत आटोलाइन इंडस्ट्रीज का प्राइस बैंड 20 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है, जबकि केंडोर टीचेक्स का सर्किट 20 फीसदी से 10 फीसदी किया गया है। जेटमाल स्पाइसेस एंड मसाला, पार्श्वनाथ डेवलपर्स और शूरा` डिजाइन जैसे शेयरों के लिए सर्किट फिल्टर को 5 फीसदी से घटाकर 2 फीसदी कर दिया गया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किट फिल्टर घटाने से शेयरों की दैनिक मूल्य सीमा सीमित हो जाती है, जिससे उनकी अत्यधिक वोलैटिलिटी पर नियंत्रण पाने में मदद मिलती है। यह कदम बाजार में स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण है।

टीसीएस कर्मचारियों पर मेहरबान 80 प्रतिशत तक बोनस देकर दी बड़ी राहत

बेंगलुरु।

जब कई बड़ी आईटी कंपनियां कर्मचारियों को बेहतर सैलरी हाइक देने से पीछे हट रही हैं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने मिड और टॉप लेवल के कर्मचारियों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर दी है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) में वेरिएबल पेआउट को 80 प्रतिशत तक बढ़ाया है, जिससे हजारों कर्मचारियों की सैलरी में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। यह फैसला आईटी सेक्टर में मंदी के बाद कर्मचारियों के प्रदर्शन को पुरस्कृत करने और उनका मनोबल बढ़ाने के मकसद से हुआ है। टीसीएस ने जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के लिए मिड और आला लेवल के कर्मचारियों को औसतन 60-80 प्रतिशत वेरिएबल पेआउट दिया है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने इतना उदार भुगतान किया है। पिछले करीब दो सालों से यह पेआउट 20-50 प्रतिशत के बीच ही रहा था, जिससे कर्मचारियों को काफी नुकसान हो रहा था। कई कर्मचारियों को अप्रैल की सैलरी के साथ यह अतिरिक्त राशि मिली है, जिससे उनके चेहरे पर खुशी लौट आई है।

हालांकि, यह पेआउट कंपनी की सख्त ऑफिस अटेंडेंस नीति से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि किसी कर्मचारी की ऑफिस अटेंडेंस 85 प्रतिशत से कम है, तब उस कर्मचारी को पूरा वेरिएबल पेमेंट नहीं मिलता। 75-85 प्रतिशत अटेंडेंस पर 75 प्रतिशत और 60-75 प्रतिशत अटेंडेंस पर केवल 50 प्रतिशत पेआउट दिया जाता है। 60 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले कर्मचारियों को, तब कोई बोनस

नहीं मिलता। कंपनी ने अप्रैल 2024 से वित्त वर्ष 2025 के लिए सैलरी बढ़ोतरी भी शुरू की है, जिसमें औसत हाइक करीब 5 प्रतिशत रहा है। यह बढ़ोतरी परफॉर्मेंस बैंड के आधार पर अलग-अलग है, जहां ए प्लस बैंड को 9-13 प्रतिशत तक का हाइक मिला है।

कर्मचारियों का कहना है कि पिछले दो सालों में वेरिएबल पेमेंट कम होने से उन्हें 4-5 लाख रुपये का नुकसान हुआ था, लेकिन अब इस अच्छे पेआउट से उन्हें कुछ राहत मिली है। टीसीएस के इस कदम से कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और बेहतर परफॉर्मेंस के लिए उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनी का यह फैसला आईटी सेक्टर की अन्य कंपनियों के लिए एक उदाहरण बन सकता है, जो कर्मचारियों की उत्पादकता और अटेंडेंस को बढ़ावा देगा। इस खबर पर टीसीएस ने फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मूमार्क और जापान की अकिबा फार्म के बीच साझेदारी

भारत में प्रीमियम जेलाटो उत्पादों का विकास और डेयरी क्षेत्र में नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

भारतीय डिजिटल डेयरी कंपनी मूमार्क ने जापानी डेयरी दिग्गज अकिबा फार्म होल्डिंग्स के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में प्रीमियम जेलाटो उत्पादों का विकास करना और डेयरी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है। यह समझौता मूमार्क की भारत के 17 राज्यों के 42,000 से अधिक गांवों तक फैली व्यापक प्रौद्योगिकी-आधारित दुग्ध आपूर्ति श्रृंखला को अकिबा फार्म होल्डिंग्स के 140 वर्षों के पारंपरिक जापानी डेयरी अनुभव के साथ एकीकृत करेगा। मूमार्क के नेटवर्क से 35 लाख से अधिक पंजीकृत किसान जुड़े हैं। समझौते के तहत दोनों कंपनियां प्रीमियम डेयरी उत्पादों के लिए एक समर्पित नवाचार प्रयोगशाला स्थापित करेंगी, जो जापानी तकुमी अवधारणा (कौशल में महारत) से प्रेरित होगी। इसके अतिरिक्त, पशु पोषण और दूध उत्पादन में सुधार के लिए वैज्ञानिक रूप से तैयार की गई जापानी टोटल मिक्स्ड रेशन (टीएमआर) आधारित पशु आहार प्रणाली भी भारत में शुरू की जाएगी, जिसका विस्तार बाद में मूमार्क के छोटे किसानों के नेटवर्क तक किया जाएगा। मूमार्क के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस साझेदारी को भारत के डिजिटल डेयरी तंत्र की बढ़ती ताकत और वैश्विक संभावनाओं

का प्रमाण बताया है। यह सहयोग दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश भारत (वार्षिक 24.8 करोड़ टन उत्पादन) के डेयरी उद्योग में नई ऊंचाइयों को छूने की उम्मीद जगाता है।

आरबीआई जून से बढ़ाएगा ब्याज दरें, महंगे होंगे होम और कार लोन!

महंगाई और वैश्विक दबाव के चलते केंद्रीय बैंक पर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली।

बढ़ती महंगाई के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आपकी जेब पर एक और झटका देने की तैयारी में है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के अर्थशास्त्रियों ने भविष्यवाणी की है कि आरबीआई जून से ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना शुरू कर सकता है, जिससे आपकी कार, होम और पर्सनल लोन की मासिक किस्त (ईएमआई) में इजाफा होगा। अर्थशास्त्रियों ने अपने नोट में कहा कि ईरान संकट के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से बढ़ती महंगाई के जोखिम को देखते हुए आरबीआई जून से ब्याज दरों में वृद्धि कर सकता है। अगस्त में एक और बढ़ोतरी संभव है। वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और अन्य एशियाई केंद्रीय बैंकों के फैसले से आरबीआई पर दबाव बढ़ रहा है। मौजूदा हालात में, आरबीआई रेपो दर में कुल 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर सकता है, जिसे जून और अगस्त के बीच बराबर बांटा जाएगा। हालांकि, यदि 3 जून की एमपीसी बैठक में वृद्धि नहीं हुई, तो अगस्त में एक साथ 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी हो सकती है। नोट में यह भी कहा गया है कि यदि कमोडिटी की कीमतों पर दबाव और कमजोर रुपये के कारण महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई मार्च 2023 के अंत तक रेपो दर में 25 से 50 आधार अंकों की और वृद्धि कर सकता है।

रिलायंस पावर को जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली ।

रिलायंस पावर ने जनवरी-मार्च तिमाही में 494 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान तिमाही में 125.57 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय घटकर 1,946.33 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,065.64 करोड़ रुपये थी। कंपनी को वित्त वर्ष 2025-26 में 336.89 करोड़ रुपये का घाटा हुआ जबकि 2024-25 में इसने 2,947.83 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। वहीं कुल आय 8,257.04 करोड़ रुपये से घटकर 7,988.52 करोड़ रुपये रह गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत खरीदारों को शेयर व उससे जुड़े साधनों और/या अन्य पात्र प्रतिभूतियों के निर्गम के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और/या अनुवर्ती सार्वजनिक प्रस्ताव या दोनों के संयोजन के जरिये किया जाएगा।निदेशक मंडल ने 3,000 करोड़ रुपये तक के सुरक्षित/असुरक्षित, परिपक्व होने

योग्य, गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी, जिसे एक या अधिक किस्तों/श्रृंखलाओं में निजी निर्गम या अन्य तरीकों से जारी किया जाएगा।

सेंट्रल बैंक में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री शुरू

बिक्री से सरकार का 2,456 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सरकार ने शुक्रवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी 4 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लॉन्च की, जिसका फ्लोर प्राइस 31 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह पेशकश संस्थागत निवेशकों के लिए खुल गई है, जबकि खुदरा निवेशक सोमवार से इसमें बोली लगा सकेंगे। इस ओएफएस में अतिरिक्त 4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए ग्रीनशू विकल्प भी शामिल है, जिससे सरकार कुल 8 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच सकती है। इस बिक्री से सरकार को करीब 2,456 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। यह कदम सरकार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी (एमपीएस) मानक को पूरा करने में भी सहायता करेगा, जिसके तहत सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक हिस्सेदारी अनिवार्य है।

वर्तमान में सेंट्रल बैंक ऑफ

इंडिया में सरकार की 89.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो ग्रीनशू विकल्प के उपयोग के बाद घटकर 81.27 प्रतिशत रह जाएगी। 31 रुपये का यह न्यूनतम मूल्य गुरुवार को बीएसई पर शेयर के 33.91 रुपये के बंद भाव से 8.58 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार पहले ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र और इंडियन ओवरसीज बैंक से बिक्री पेशकश के जरिये क्रमशः 2,624 करोड़ रुपये और 1,419 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

स्विगी को एओए में बदलाव करने नहीं मिली शेयरधारकों की मंजूरी

कंपनी गठन के कायदे-कानून में बदलाव को 72.35 फीसदी समर्थन मिला, जो आवश्यक सीमा से कम रहा

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन खाद्य एवं पेय सामग्री आपूर्ति मंच स्विगी को खुद को भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) के रूप में योग्य बनाने के लिए आवश्यक शेयरधारक मंजूरी नहीं मिल पाई है।

कंपनी के गठन के कायदे-कानून (एओए) में संशोधन का प्रस्ताव अपेक्षित 75 प्रतिशत समर्थन से 2.65 प्रतिशत कम रहा, जिससे यह पारित नहीं हो सका। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार डाक मतपत्र के माध्यम से की गई ई-वोटिंग प्रक्रिया में यह प्रस्ताव आवश्यक सीमा से 2.65 प्रतिशत कम रहा। हालांकि, रेनन डी कास्त्रो आल्वेस पिंटो को गैर-कार्यकारी, गैर-स्वतंत्र नामित निदेशक के रूप में नियुक्त करने का एक अन्य प्रस्ताव 98.98 प्रतिशत भारी बहुमत से पारित हो गया। इस परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्विगी के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी इस निर्णय को स्वीकार करती है। उन्होंने पुष्टि की कि प्रस्तावित संशोधन भारतीय विदेशी मुद्रा कानूनों व विनियमों (फेमा) के तहत भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रित कंपनी (आईओसीसी) बनने के दीर्घकालिक प्रयास का हिस्सा थे, जो उनके लिए प्राथमिकता बनी रहेगी। कंपनी ने कहा है कि वह अपने शेयरधारकों के साथ संवाद जारी रखेगी और भविष्य में सकारात्मक परिणाम की दिशा में काम करेगी। आईओसीसी का दर्जा प्राप्त करने के लिए कंपनी में भारतीय निवासियों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक होना और नियामकीय मंजूरी मिलना आवश्यक है।

वेदांता की इकाई तलवंडी साबो पावर पर 127 करोड़ का जुर्माना

अपीलीय विद्युत अधिकरण का फैसला रद्द, पीएसईआरसी का आदेश बहाल

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने वेदांता लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) को पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को करीब 127 करोड़ रुपये और उस पर लागू विलंब भुगतान अधिभार का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह फैसला जनवरी 2017 में ग्रिड कोड के अनुसार उपलब्धता की गलत घोषणा से संबंधित एक मामले में आया है। वेदांता लिमिटेड ने शेयर बाजार को सूचित किया कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपीलीय विद्युत अधिकरण (एप्टेल) के उस फैसले को निरस्त कर दिया है, जिसने पहले टीएसपीएल को राहत दी थी। इसके बजाय, शीर्ष अदालत ने पंजाब राज्य विद्युत नियामक आयोग (पीएसईआरसी) के मूल आदेश को बहाल कर दिया है, जिसमें टीएसपीएल पर जुर्माना लगाया गया था। यह आदेश जनवरी 2017 के लिए ग्रिड कोड के नियमों के तहत बिजली संयंत्र की उपलब्धता की गलत घोषणा के मामले से जुड़ा है। तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल), पंजाब के मानसा जिले के बनावाला में स्थित एक 1,980 मेगावाट की महत्वपूर्ण कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजना है।

यह अपनी 100 प्रतिशत बिजली पीएसपीसीएल को आपूर्ति करती है और बड़े पैमाने पर विश्वसनीय बिजली उत्पादन के जरिये पंजाब की लगभग 35 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कंपनी अब बकाया राशि और विलंब भुगतान अधिभार का भुगतान करेगी।

प्रिंस से बोले अर्शदीप अब मुझे नाम से बुलाओ

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में शानदार गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचने वाले लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। ये पहली बार है जब प्रिंस भारतीय टीम से खेलते हुए दिखेंगे। इसी को देखते हुए उन्हें भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मजेदार अंदाज में बधाई दी। प्रिंस अर्शदीप को भैया कहकर बुलाते है। इसी को देखते हुए अर्शदीप ने कहा है कि अब टीम में आ गया है इसीलिए नाम से बुला। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। यह मजेदार और सहज बातचीत दोनों खिलाड़ियों के बीच की अच्छी केमिस्ट्री और अर्शदीप के परिपक्व रवैये को दर्शाती है, जो एक जूनियर खिलाड़ी को बड़े सम्मान के साथ संबोधित करने के लिए कह रहे हैं। यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो गया है।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी पंजाब

लखनऊ। आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने अंतिम लीग मैच में पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ से बाहर हो गयी है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाना रहेगा। सुपरजायंटस इस सत्र में अभी अंतिम स्थान पर है और उसके केवल 8 अंक है। ऐमें उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पंजाब के खेल को बिगाड़ना रहेगा। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स टीम किस भी हाल में ये मैच बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी । अभी पंजाब के अभी 13 अंक हैं और वह अगर ये मैच जीतती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे। टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं होगा क्योंकि पिछले छह मैचों से मिली हार से उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा टीम पर अतिरिक्त दबाव भी रहेगा। वहीं सुपर जायंट्स पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है ऐसे में वह निडर होकर आक्रामक अंदाज में उतरेगी जिसको देखते हुए पंजाब को सावधान रहना होगा। पंजाब की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन के पास रहेगी। दूसरी ओर सुपरजायंट की बल्लेबाजी मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान प्रिंस यादव , शाहबाज अहमद के पास रहेगी आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 7 मैच हुए हैं जिसमें से लखनऊ सुपर जायंट्स ने 3 जबकि पंजाब किंग्स ने 4 मैच जीते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमें जीत के लिए बराबर की दावेदार नजर आती हैं पर जिस प्रकार से सुपर जायंट्स ने हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी हराया था उससे प्रेरित होकर टीम का लक्ष्य इस प्रदर्शन को फिर दोहराना रहेगा। ऐसे में पंजाब को विशेष रुप से सतर्क रहना होगा। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं - लखनऊ सुपर जाइंट्स = ऋषभ पंत (कप्तान), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन, अर्शिन कुलकर्णी, मिचेल मार्श, शाहबाज़ अहमद, अवेश खान, मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, दिग्वेश सिंह राठी, मयंक प्रभु यादव, वानिंदु हसरंगा, एनरिक नोर्किया, जोश इंग्लिस, मोहसिन खान, नमन तिवारी, आकाश महाराज सिंह, मुकुल चौधरी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, अक्षत रघुवंशी। पंजाब किंग्स -श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, पाइला अविनाश, यश ठाकुर, हरनूर सिंह, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर (ईएमएस)। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। बाबर के अलावा टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज हारिस रऊफ, प्रतिभाशाली नसीम शाह, उपकप्तान शादाब खान और सुर्फयान मोकीम को भी टीम में जगह दी गयी है। ये सभी भी बांग्लादेश सीरीज में शामिल नहीं थे। चयनकर्ताओं ने टीम में तीन नए खिलाड़ियों को भी अवसर दिया है, जिनमें अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर हैं। इन तीनों खिलाड़ियों को एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण का मौका मिल सकता है। वहीं बांग्लादेश सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलमान अली आगा, अब्दुल समद, अबरार अहमद, माज सादाकत, मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी, साहिबजादा फरहान और शमायल हुसैन जैसे खिलाड़ियों को भी टीम में जगह मिली है। , टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मुहम्मद ग़ाज़ी घोरी और नये खिलाड़ी रोहेल नजीर को दी गई है।

शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद ।

गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन है। इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी। तब कोहली भी सबसे कम उम्र में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन सीजन बनाने वाले खिलाड़ी थे। दिग्गज कोहली ने साल 2016 में अपने करियर में दूसरी बार 600 रन से अधिक बनाये थे। वहीं डेविड वॉर्नर एकमात्र अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार सत्र में कप्तान रहते हुए 600 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

सीएसके के अंशुल कंबोज के नाम दर्ज हुआ सबसे अधिक छक्के खाने का अनचाहा रिकार्ड

अहमदाबाद ।

तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में शुरुआत से ही शानदार गेंदबाजी की पर अंतिम तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के कारण उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मैच में अंशुल की गेंदों पर चार छक्के लगे। इसी के साथ ही कंबोज के नाम एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

इस सत्र में अंशुल ने सीएसके की ओर से कुल 14 लीग मैच खेले और हैरानी की बात है कि इन मैचों में उनपर कुल 34 छक्के लगे। इससे पहले, एक आईपीएल सत्र में सबसे ज़्यादा छक्के खाने का रिकॉर्ड स्पिन राशिद खान के नाम था, जिनके खिलाफ आईपीएल 2025 में 33 छक्के लगे थे।

अंशुल ने हालांकि इस सत्र में अच्छी शुरुआत करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में बनाये रखा। इसी कारण वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भी शामिल रहे। सटीक यॉर्कर और विकेट लेने की क्षमता से वह सीएसके के मुख्य गेंदबाज बनकर उभरे हैं।

उनकी खराब फॉर्म का एक सबसे बड़ा उदाहरण सीएसके के 12वें लीग मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ देखने को मिला था। उस मैच में लखनऊ के बल्लेबाजों ने अंशुल के खिलाफ आठ छक्के लगाए थे, जो एक आईपीएल मैच में किसी भी गेंदबाज द्वारा खाए गए सबसे ज़्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है।

छक्कों के इस रिकॉर्ड के अलावा, अंशुल ने आईपीएल 2026 में कुल 530 रन भी दिये। इससे वह इस साल के आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। हालांकि, यह आईपीएल के एक सीज़न में सबसे ज़्यादा रन लुटाने का ऑल-टाइम रिकॉर्ड नहीं है। वह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2024 के 16 मैचों में कुल 566 रन दिए थे। इस सूची में उनके बाद तुषार देशपांडे के नाम है। तुषार ने आईपीएल 2023 में 564 रन दिये जबकि राशिद खान ने 2023 में 552 रन दिये थे।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर की तस्वीर रुसी इंफ्लुएंसर के साथ देखकर प्रशंसक हुए हैरान

मुम्बई ।

आईपीएल में पंजाब किंग्स टीम का प्रदर्शन अच्छी शुरुआत के बाद खराब हुआ है और वह प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए 7 में से 6 मैच जीते थे पर इसके बाद टीम प्रदर्शन खराब हुआ तो उसने रुकने का नाम नहीं लिया। उसे पिछले 6 लगातार मैच में लगातार हार मिली है। जिससे अब टीम प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके लिए टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच हर हाल में जीतना है। वहीं इसी बीच कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर एक पेज चलाने वाली लड़की के साथ देखकर प्रशंसक हैरान हुए हैं और जानना चाहते हैं कि ये लड़की कौन है। ये तस्वीर धर्मशाला में ली गई है, जहां अपने पिछले मुकाबले में 17 मई को पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला था। वहीं ये लड़की इंडोस्वेटिका नाम से सोशल मीडिया पेज चलाती है और एक रूसी ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर और इंफ्लुएंसर है। उसका असली नाम स्वेतलाना है और वह भारत में ही रहती हैं और भारतीय संस्कृति, ट्रैवल, खाने-पीने, रोजमर्रा की जिंदगी और ह्यूमर पर वीडियो बनाती हैं। उसके पेज का नाम इंडोस्वेटिका÷ है। वह रूस और भारत के बीच तुलना वाले विषय जैसे चाय, कीमतें, संस्कृति, यात्रा पर बनाती हैं। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखती हैं। उसने धर्मशाला में कई वीडियो बनाए हैं। इसको उनके इंस्टाग्राम पेज पर देखा जा सकता है। स्वेता की पेज पर 5 हजार फॉलोअर्स हैं। इसलिए श्रेयस की तस्वरी ऐसा लगता है कि यह सिर्फ एक प्रशंसक के तौर पर ली गई तस्वीर है हालांकि प्रशंसक इस तस्वीर को देखकर उत्साहित जरुर हैं।

शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर लगाया गंभीर आरोप

मुम्बइ।

पूर्व स्पिनर एल. शिवरामकृष्णन ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर निशाना साधा है। शिवरामकृष्णन ने कहा है कि कुछ साल पहले अपने बड़े भाई के अंतिम संस्कार लिए वह घर लौटे थे पर कुछ ही समय के बाद उन्हें वापस लौटने को कहा गया था। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि तब उनके पास बीसीसीआई के एक अधिकारी का फोन आया। अधिकारी ने उनसे पूछा, अब जब अंतिम संस्कार हो गया है तो क्या आप अगली उड़ान से मोहाली में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच की कमेंट्री करने आ सकते हैं? शिवरामकृष्णन ने कहा कि इस कठिन समय में भी उन्होंने अपनरे काम को महत्व दिया और वह मैच के लिए वापस लौटे। इस खिलाड़ी ने कहा कि इसके बाद भी उनको पर्याप्त सम्मान नहीं मिला। इसके अलावा उन्होंने एक और दुखद घटना का जिक्र किया और कहा कि पुणे में जब वह कमेंट्री कर रहे थे तो उनकी माँ का निधन हो गया था। इसके बाद भी वह काम पूरा होने पर ही घर गये थे। शिवरामकृष्णन का कहना है कि इन बलिदानों और समर्पण भाव के बाद भी उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया और कभी भी पर्याप्त अवसर नहीं दिए गए। गौरतब है कि इससे पहले शिवरामकृष्णन ने बीसीसीआई पर भेदभाव का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि उन्हें काले रंग के कारण भेदभाव का शिकार होना पड़ा था। इसी कारण से उन्होंने परेशान होकर हाल में कमेंट्री कसे भी संन्यास ले लिया था। शिवरामकृष्णन ने अपने करियर में साल 1983 से 1987 के बीच भारतीय टीम के लिए 9 टेस्ट और 16 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच खेले, जिसमें कुल 41 विकेट हासिल किए। बाद में वह दशक तक कमेंट्री करते रहे। शिवरामकृष्णन ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्होंने अपने जीवन भर रंगभेद का सामना किया है और अब वे इसके आदी हो चुके हैं।

वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल बोले, आईपीएल में बिहार की भी टीम हो

मुम्बई । देश के बड़े उद्योगपति और वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल ने कहा है कि बिहार में इतनी प्रतिभाएं है कि आईपीएल में उसकी एक टीम तक बन जाये। इससे अब आईपीएल में बिहार से भी एक टीम लाने की मांग उठने लगी है। अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बिहार में क्रिकेट की आपार प्रतिभाएं है बस उन्हें पहचान के लिए एक मंच मिलना चाहिये। उनके इस बयान के बाद राज्य भर के क्रिकेट प्रेमियों और खेल जगत में उत्साह और चर्चा का माहौल है कि क्या आने वाले समय में बिहार की अपनी एक आईपीएल टीम देखने को मिलेगी।

मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनिल अग्रवाल का अपने गृह राज्य से गहरा जुड़ाव हमेशा बना रहता है। वे अक्सर ही बिहार की तारीफ करते हैं और यहां के युवाओं की प्रतिभा का जिक्र करते रहते हैं। उनका यह नया बयान इसी जुड़ाव और राज्य के प्रति उनकी भावनाओं को दिखाता है।

अपने पोस्ट में अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करती हैं, उसी तरह बिहार की भी एक मजबूत और प्रतिष्ठित आईपीएल टीम होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि बिहार ने देश को कई बेहतरीन क्रिकेटर दिए हैं, लेकिन फिर भी राज्य को क्रिकेट में वह स्थान नहीं मिल पाया, जिसका वह अधिकारी है। उन्होंने बिहार में मौजूद क्रिकेट प्रतिभा को सामने लाने के लिए एक बड़े मंच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बिहार के कुछ असाधारण खिलाड़ियों का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। पटना में जन्मे ईशान किशन ने एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। समस्तीपुर के युवा वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं, जबकि गोपालगंज के साकिब हुसैन अपनी शानदार गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच रहे हैं। अग्रवाल ने इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों को बिहार में मौजूद असीमित प्रतिभा का प्रमाण बताया, जो केवल सही अवसर और मंच का इंतजार कर रही है। अनिल अग्रवाल ने कहा कि उनका सपना है कि बिहार के युवाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि अगर बिहार के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और आधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाए, तो यहां की टीम दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक बन सकती है।

विनेश मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को लगायी फटकार

केंद्र सरकार को विशेषज्ञ कमेटी बनाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के फैसले को लेकर उसे कड़ी फटकार लगायी है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह विनेश के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनाकर उनका मूल्यांकन करे और आगामी एशियन गेम्स के चयन ट्रायल में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करे। विनेश मैटरनिटी ब्रेक के बाद खेल में वापसी कर रही है। वहीं डब्ल्यूएफआई ने विनेश को ट्रायल के लिए आयोग्य घोषित करते हुए कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर नुशासनहीनता और डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चार सवालों के जवाब मांगे थे। इसके साथ ही डब्ल्यूएफआई ने विनेश के किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में शामिल होने पर 26 जून, 2026 तक रोक लगा दी थी। डब्ल्यूएफआई के इस फैसले के कारण से विनेश नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। विनेश ट्रायल की अनुमति मांगने के लिए डब्ल्यूएफआई के पास पहुंची थीं, लेकिन उनकी अपील को खारिज कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई ने विनेश की नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के ट्रायल में शामिल होने की अपील यह कहकर ठुकरा दी थी कि उनके खिलाफ वाडा के 5.6.1 नियम के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई चल रही है। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, इस नियम के मुताबिक संन्यास से वापसी कर रहे खिलाड़ियों को किसी भी टूर्नामेंट में खेलने से पहले कम से कम छह महीने तक का नोटिस पूरा करना जरूरी होता है।इसके बाद विनेश ने कोर्ट में अपील की जिसमें कहा गया था कि एशियन गेम्स के लिए 30 और 31 मई को होने वाले ट्रायल में शामिल होने की उन्हें अनुमति दी जाये। उसी के बाद कोर्ट का ये फैसला आया है।

शाहीन की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पाक टीम

बाबर और राऊफ की वापसी

लाहौर ।

शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने उतरेगी। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को भी शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इस सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। यह घरेलू सीरीज इसी माह के अंत में 30 मई से 4 जून तक रावलपिंडी और लाहौर में खेली जाएगी। इस टीम में ऑलराउंडर सलमान अली आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी दी गयी है। इस सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है। टीम में बाबार की इसलिए वापसी हुई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में पाक सुपर लीग (पीएसएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हारीं अश्मिता चालिहा मलेशिया मास्टर्स में भारत की चुनौती समाप्त

कुआलालंपुर।

भारतीय शटलर अश्मिता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स में अभियान शुक्रवार को हार के साथ समाप्त हो गया। अश्मिता को महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की पूर्व यूरोपियन गेम्स चैंपियन लाइन केयर्सफेल्ड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अश्मिता के बाहर होने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी खत्म हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 71वें नंबर पर मौजूद अश्मिता ने पहला गेम जीता, लेकिन आखिर में 23वें नंबर की विरोधी खिलाड़ी से 61 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 11-21 से हार गईं। भारतीय युवा खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और गेम के बीच में 11-6 की बढ़त बना ली।

23वीं रैंक वाली केयर्सफेल्ड की जबरदस्त वापसी की और स्कोर को 17-17 से बराबर कर दिया। हालांकि, अश्मिता ने अपना दमखम दिखाया और पहला गेम 23-21 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में 10-5 की बढ़त बनाने के बाद अश्मिता लगातार गेम जीतने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, केयर्सफेल्ड ने मैच का मोमेंटम बदल दिया, और ब्रेक तक अंतर 11-10 कर दिया। दोबारा गेम शुरू होने पर, केयर्सफेल्ड ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। फिर उन्होंने चार पॉइंट की स्ट्रीक के साथ 18-15 की बढ़त बनाई और आखिर में गेम 21-18 से जीतकर अश्मिता को निर्णायक गेम खेलने पर मजबूर कर दिया।

आखिरी गेम 4-4 से बराबरी पर शुरू हुआ, फिर केयर्सफेल्ड ने मैच में पूरा कंट्रोल कर लिया, और 13-6 की बढ़त बना ली। अश्मिता संभल नहीं पाईं, और केयर्सफेल्ड ने आराम से मैच जीतकर निर्णायक सेट 21-11 से अपने नाम कर लिया, जिससे कुआलालंपुर में भारत का अभियान खत्म हो गया।

शराब छोड़ने के बाद बदली मेरी जिंदगी चहल

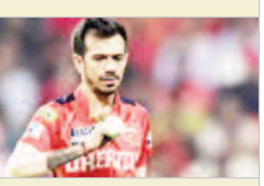

नई दिल्ली । भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल पिछले काफी समय से खराब दौर से गुजरें हैं। इस दौरान उनकी निजी जिंदगी में भी उथल-पुथल रही है। इसी को लेकर चहल ने खुलासा किया है। कि शीराब छोड़ने के उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है ओर वह पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि शराब छोड़ने का फैसला उनके लिए सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ है। इसके कारण वह अवसाद से उबरने में भी सफल रहे हैं। । चहल ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला है। शराब को अपनी जिंदगी से हटाने के बाद मैं कह सकता हूं कि मेरा जीवन पूरी तरह बदल गया है। अब मैं अपने परिवार और दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताता हूं। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव ने उन्हें जीवन में और अधिक स्पष्टता दी है। अब मुझे अपनी लाइफ में क्या चल रहा है, कौन मेरे साथ है और कौन नहीं, यह सब और ज्यादा साफ समझ आता है। पहले मैं इन सब चीजों के बारे में बहुत सोचता था, लेकिन अब मैं अपने पर ध्यान देता हूं। साथ ही कहा कि यह फैसला उन्होंने तब लिया जब उन्हें एहसास हुआ कि शराब उनके लिए सही नहीं थी और वह लिमिट से बाहर जा चुके थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उस वक्त वह अवसाद में थे और उनकी मानसिक सेहमत भी ठीक नहीं थी। चहल ने माना है कि इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें वापस जाकर इस समस्या को ठीक करना चाहिए।शराब छोड़ने के बाद अब वह गोल्फ और गो-कार्टिंग जैसे खेलों में भी समय बिताते हैं। आईपीएल के वर्तमान सत्र में चहल ने पंजाब किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हुए 13 मैचों में 10 विकेट लिए हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3897

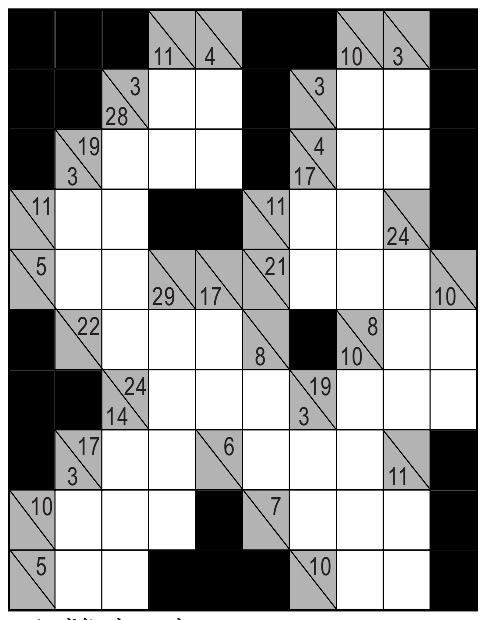

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23 : 1 2 3 4 6 ; 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3896 का हल

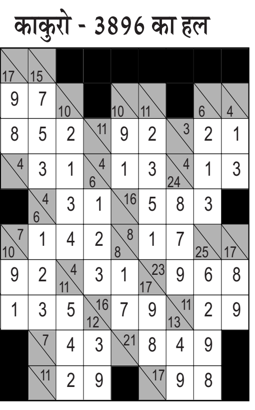

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3897

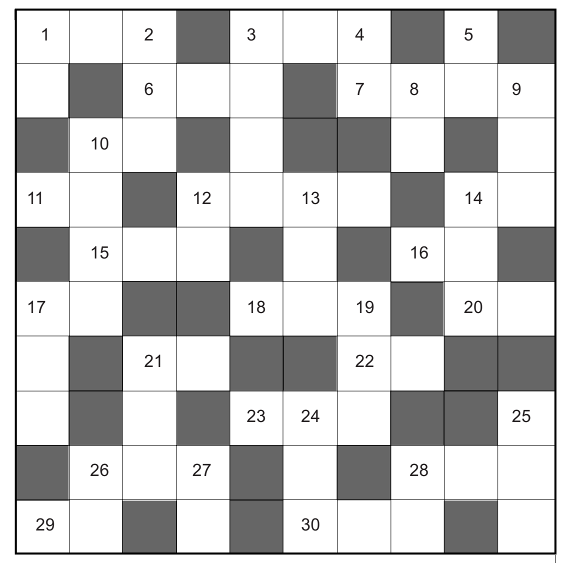

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3896

सूडोकु -3897

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3896 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 3897

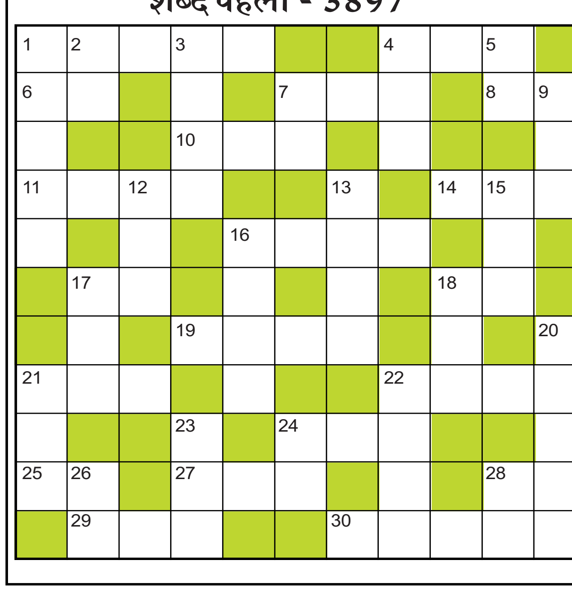

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3896 का हल

मोटापा एक मानसिक रोग

अधिक वजन वाले लोग ज्यादा खाना खाते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे ओवर-ईटर हैं, क्योंकि अपने शरीर के हिसाब से वह सही कैलोरीज ले रहे होते हैं...

अक्सर मेदोरोग के आनुवांशिक कारणों का सामंजस्य स्वाभाविक कारणों से किया जाता है। चय-उपचय क्रिया तथा मेद की वृद्धि आनुवांशिक तौर पर निर्भर करती है। शारीरिक कर्म व खानपान की आदत हमारे जींस पर निर्भर करती है। मानसिक तौर पर लोग मोटापे को लेकर इतना सचेत नहीं होते हैं। जिस वजह से इस बीमारी का ठीक से इलाज संभव नहीं होता।

मोटापे के कारण

खानपान की गलत आदतें : अक्सर देखा जाता है

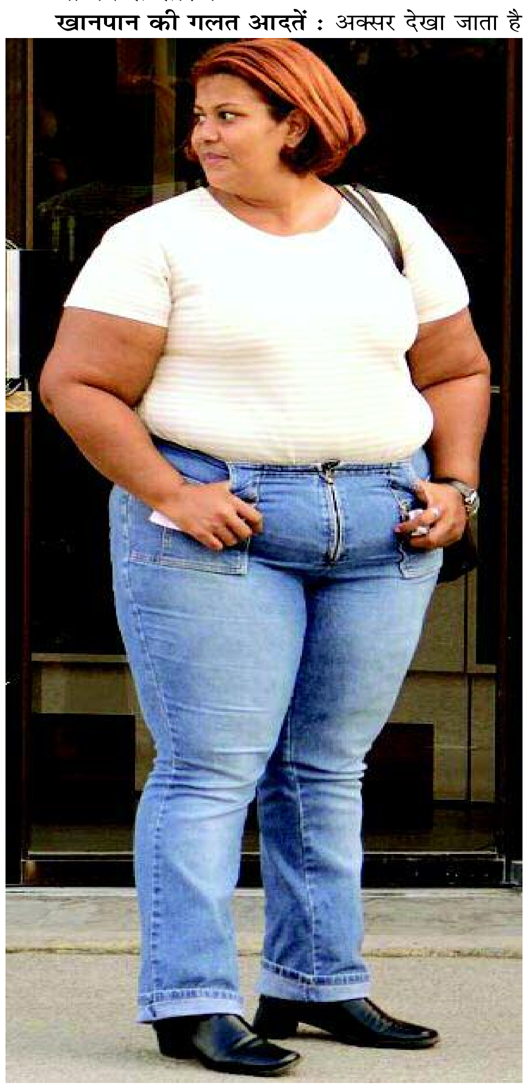

कि अधिक वजन वाले लोग ज्यादा खाना खाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि वे ओवर-ईटर हैं, क्योंकि वे शरीर के अनुपात में सही कैलोरीज़ लेते हैं। इनमें खाने की मात्रा से ज्यादा खाद्यपदार्थों के चयन में अधिक गलती देखी जाती है।

टी.वी. देखते हुए या गॉसिप करते हुए चिप्स, स्नैक्स खाना मोटापे का एक कारण है। इसे 'बिंज इटिंग डिस्ऑर्डर' कहते हैं।

कुछ लोग नकारात्मक ख्यालों के दायरे में कुछ अधिक खाना खा लेते हैं। अक्सर विद्यार्थी वर्ग में देखा जाता है कि वे देर रात तक पढ़ते हैं। इस वजह से वे रात को ज्यादा खाते हैं। इससे भी मोटापा होता है। इसको 'नाइट इटिंग सिंड्रोम' कहते हैं।

सेहत समस्याएं : निद्रा में विकार, सोते समय सांस लेने में तकलीफ, हाथ, पैरों, पीठ, कमर में दर्द और बेचैनी, मानसिक तनाव व अवसाद।

क्या करना चाहिए ?

- सुबह उठते ही आधे घंटे से एक घंटे तक ब्रिस्क वॉक व एक्सरसाइज करें।
- रोजाना 2.5 से 3 लीटर तक पानी पीएं। गर्मियों में 4 लीटर पानी पीना चाहिए।
- खाने में लस्सी लें, इससे भूख कम लगती है।
- दो चम्मच नींबू के रस और दो चम्मच शहद पानी के साथ लें।
- भोजन के बाद एक गिलास गुनगुना पानी पीएं।
- अदरक, इलायची, काली मिर्च वजन घटाने में लाभकारी हैं। इनका सेवन करें।
- खाने में फल व सब्जी का अधिक प्रयोग करें।
- रोज एक टमाटर खाएं। पुदीने का प्रयोग करें।
- पनीर, मक्खन और घी का कम सेवन करें।
- चावल की बजाय रोटी खाएं।
- कच्ची गोभी का सेवन अधिक फैट बनने से रोकता है।

क्या नहीं करना चाहिए ?

- एक बार में ज्यादा न खाएं। बार-बार थोड़ा-थोड़ा खाते रहें, ताकि कम कैलोरी शरीर में जाएं और उसे पचने के लिए पर्याप्त समय मिले।
- देर रात तक पढ़ने या काम करने से बचना चाहिए।
- टी.वी. देखते वक्त या गॉसिप करते समय चिप्स, स्नैक्स आदि न खाएं।
- चाय, कॉफी, चॉकलेट, आइसक्रीम, नशीले पदार्थ, कोल्डड्रिंक्स, नमक, आलू एवं तली हुई चीजों से दूरी

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

घोस्ट डायरेक्टिंग पर बोले आमिर खान

आमिर खान को बॉलीवुड का 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। फिल्मों में उनकी गहरी दिलचस्पी और हर छोटी-बड़ी चीज पर ध्यान देने की आदत की वजह से अक्सर ऐसी अफवाहें उड़ती रही हैं कि वह अपनी फिल्मों को पर्दे के पीछे से खुद डायरेक्ट करते हैं। लेकिन अब आमिर खान ने इन सभी खबरों पर खुलकर जवाब दिया है। हाल ही में स्क्रीन एकेडमी इवेंट के दौरान आमिर खान ने साफ कहा कि अपने 38 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही फिल्म डायरेक्ट की है और वह 'तारे जमीन पर' है। बाकी फिल्मों को लेकर जो 'घोस्ट डायरेक्टिंग' की बातें होती हैं, वह पूरी तरह गलत हैं।
आमिर ने कहा, 'मीडिया ने हमेशा कहा कि मैं फिल्मों को पर्दे के पीछे से डायरेक्ट करता हूं। लेकिन ऐसा क्यों करूंगा मैं? अगर मैं इतना अच्छा काम कर रहा हूं तो किसी और का नाम क्यों दूंगा? क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने करियर में कई शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा।
आमिर का मानना है कि हर निर्देशक अपनी अलग सोच और स्टाइल लेकर आता है और यही वजह है कि उनकी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दिखाई देती हैं।
आमिर ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'सरफरोश' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों का अंदाज और कहानी अलग-अलग है, क्योंकि हर फिल्म के पीछे अलग निर्देशक की सोच थी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों की सफलता सिर्फ एक इंसान की नहीं होती, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होती है। आमिर ने बताया कि उन्होंने 'तलाश', 'रंग दे बसंती' या 'तारे जमीन पर' की कहानी नहीं लिखी थी। उन्हें बस ये कहानियां पसंद आईं और वह उनका हिस्सा बनना चाहते थे।
वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल में दिखाई दे सकते हैं।

इश्क दम और इडली रसम खाना, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी

अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा। शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा एक भावुक शेफ है, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं। जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।
सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात

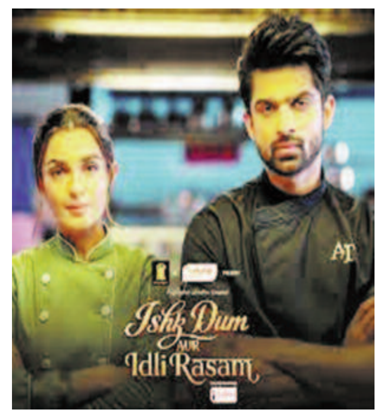

करते हुए बताया, ''इश्क दम और इडली रसम' बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है।' वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है।' शो में शाइनी दोशी, अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुरव और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है

'टॉक्सिक' पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी, फिर इसे जून के लिए शिफ्ट किया गया था। लेकिन अब इसकी कोई फाइनल रिलीज डेट अभी तक घोषित नहीं की गई है। इसपर अब तारा सुतारिया ने भी अपने विचार रखे हैं।

यश स्टारर इस पैन-इंडिया फिल्म को लेकर बताया गया था कि मिडल ईस्ट में चल रहे हालात की वजह से रिलीज प्लान में बदलाव करना पड़ा। बाद में यह भी साफ किया गया कि फिल्म पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन टीम अभी इसकी ग्लोबल रिलीज और बड़े डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स को फाइनल करने में लगी हुई है, ताकि फिल्म को दुनिया भर में सही तरीके से रिलीज किया जा सके। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने बातचीत में इस देरी पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस पूरी स्थिति को बहुत समझदारी से देखती हैं। तारा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं बहुत पेशेंस रखती हूं। मैं ये नहीं सोचती कि अगर फिल्म तुरंत रिलीज नहीं हुई तो क्या होगा। एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है।' उन्होंने आगे कहा कि कई बार बड़े फैसलों के पीछे सही वजहें होती हैं, जिन्हें प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स बेहतर समझते हैं। तारा ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की एक्साइटमेंट को समझती हैं और खुद भी फिल्म का इंतजार कर रही हैं, लेकिन उनका मानना है कि यह इंतजार फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होगा और इसे ग्लोबली बेहतर रिस्पॉन्स मिलेगा।
अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे।

असली फेमिनिज्म वही, जहां पुरुष अपनी महिला को पहचान बनाने का पूरा मौका दे

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रुबिना दिलैक ने हाल ही में नारीवाद और रिश्तों में पुरुष व महिला ऊर्जा के संतुलन पर अपनी राय रखी। उनका कहना है कि असली नारीवाद (फेमिनिज्म) तभी संभव है, जब एक पुरुष अपनी साथी को अपनी पहचान बनाने और आगे बढ़ने का पूरा मौका दे।

खास बातचीत में रुबिना ने कहा, 'जब तक कोई पुरुष अपनी महिला की पहचान को खिलने का मौका नहीं देता, तब तक हम फेमिनिज़्म के बारे में चाहे कितनी भी जोर से क्यों न बात कर लें, यह मुमकिन नहीं है।' उन्होंने इसे आध्यात्मिक नजरिए से भी समझाया। रुबिना ने कहा कि जैसे शक्ति और शिव की ऊर्जा मिलकर संतुलन बनाती है, वैसे ही रिश्तों में भी पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बराबर अहम होती हैं। जब शक्ति को अपनी ताकत दिखानी होती है, तब वह सामने आती है और जब शिव को अपनी पुरुष ऊर्जा दिखानी होती है, तब वह नजर आती है। यही दोनों शक्तियों का खूबसूरत संतुलन है।
रुबिना ने आगे बताया कि रिश्तों में समय के साथ कई बदलाव आते हैं। कभी एक साथी अपने सपनों को पूरा करने में लगा होता है, तो दूसरा उसका साथ देता है। उन्होंने अपने पति अभिनव शुक्ला का उदाहरण देते हुए कहा कि जिंदगी में कुछ समय ऐसा होगा जब अभिनव अपने काम और सपनों पर ध्यान देंगे और वह उनका साथ देंगी। वहीं कुछ समय ऐसा भी आएगा जब वह अपने सपनों को पूरा करेंगी और अभिनव उनका साथ करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब आप इस बात को समझते हैं, तो इससे परिवार के लिए एक मजबूत वैल्यू सिस्टम बनता है।' रुबिना जल्द ही टीवी के चर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में नजर आने वाली हैं। शो की शूटिंग के लिए वह जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन रवाना होंगी। रुबिना ने यह भी बताया कि अपनी जुड़वां बेटियों से 40 दिनों तक दूर रहना उनके लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल होने वाला है। उन्होंने कहा कि बच्चों से दूर रहकर उनके गले लगने और प्यार को मिस करना आसान नहीं होगा।

मैं नेपो किड नहीं हूं

कभी बॉलिवुड सिलेब्स के साथ फोटो खिंचवाकर चर्चा में आए ओरहान अवात्रामणि उर्फ ओरी आज खुद एक सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं। वहीं, अब जल्द ही वह टीवी के मशहूर रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में खतरों से खेलते हुए भी दिखेंगे। ऐसे में, जब हमने ओरी से इस शो में भागीदारी की वजह जाननी चाही तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। ओरी का कहना है कि बहुत समय से उन्हें खुशी, दुख, दर्द, भय कोई भी इमोशन महसूस नहीं होता, इसलिए उन्होंने इस शो को हां कहा ताकि वे शो के चुनौतीपूर्ण टास्क के दौरान वापस जिंदा महसूस कर सकें।

काफी समय से बहुत डिप्रेशन में हूं

बकौल ओरी, 'मैं जिस तरह की जिंदगी जीता हूं, उसमें मैं हर तरह से अहसास के प्रति डीसेंसिटाइज यानी संवेदनहीन हो चुका हूं। मैं चाहे नई गाड़ी ले लूं, बैग ले लूं, हॉलिडे पर चला जाऊं, मुझे कोई भी चीज एक्साइट नहीं करती। मैंने खतरों के खिलाड़ी 15 के लिए इसलिए हां कहा, क्योंकि मैं जिंदगी को महसूस करना चाहता हूं। मैं फिर जिंदा महसूस करना चाहता हूं। मैं काफी समय से बहुत ही डिप्रेस्ड (अवसादग्रस्त) रहा हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है, जब मैं बाहर जाता हूं और मेरे इतने सारे फैंस मुझे सिर्फ देखकर इतने उत्साहित होते हैं। मतलब मेरे जैसे खुद अवसाद में जी रहे इंसान के लिए यह विडंबना ही है। लेकिन सोशल मीडिया पर तो ओरी बहुत खुशमिजाज लगते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'आपको दुनिया के सामने अपना बेस्ड साइड ही दिखाना पड़ता है। आप वहां ऐसी पिक्चर्स नहीं पोस्ट कर सकते जिसमें खुश न हों पर मैंने बहुत समय से कुछ महसूस नहीं किया है।'

खुशी, दुख, उत्साह कुछ महसूस नहीं होता

क्या ओरी को जिंदगी में किसी चीज से डर लगता है? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'नहीं, वही तो मैं कह रहा हूं कि मुझे याद नहीं आता कि आखिरी बार कब मैंने कोई भी फीलिंग महसूस किया था। खुशी, गुस्सा, दुख, उत्साह, कोई भी अहसास। कई बार मुझे खुद को याद दिलाना पड़ता है कि मुझे कुछ महसूस करना है। इसके लिए मुझे खुद पर बहुत जोर डालना पड़ता है।

सांस भी लेता हूं तो लोग जज करते हैं

ओरी को सोशल मीडिया पर पॉपुलैरिटी और ट्रोलिंग दोनों भरपूर मिली है। उन्हें काफी जज भी किया जाता है। वह कहते हैं, 'मुझे दोनों ही चीजों से फर्क नहीं पड़ता। मैं कोई नेपो किड नहीं हूं। मैं फेमस पैदा नहीं हुआ हूं। मैंने अपनी प्रसिद्धि कमाई है तो अगर मैं पहले इसके बिना रहा हूं तो बाद में भी रह सकता हूं। रही बात जजमेंट की तो लोगों ने मुझे हर वक्त जज किया है, इसलिए मैं उसके प्रति भी पूरी तरह डीसेंसिटाइज हो चुका हूं। मुझे फर्क ही नहीं पड़ता क्योंकि मैं कुछ भी करूं लोग मुझे जज ही करते हैं। मैं घर से बाहर निकलता हूं और जज होता हूं।

मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है

पिछले दिनों ओरी का उनकी खास दोस्त सारा अली खान के साथ विवाद भी सुर्खियों में रहा। इस बारे में ओरी बताते हैं, 'मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है। मेरा विवाद उसकी मां अमृता सिंह के साथ है, मगर मैं सारा के साथ दोस्त होने का दिखावा नहीं कर सकता, जबकि उसकी मां ने मेरे साथ इतना गलत किया। मैंने यही कहा है कि जो अमृता ने मेरे साथ किया, वो ठीक नहीं था और जब तक वो माफी नहीं मांगती, मैं सारा अली खान के साथ दोस्ती का दिखावा नहीं कर सकता। वरना सारा के साथ मेरी कोई बैर नहीं थी। उन्होंने अभी तक कोई माफी नहीं मांगी है। मैं अब भी इंतजार कर रहा हूं।'

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा, कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'विक्ट्रोइ' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू; ट्रंप का बड़ा दावा-दो साल बाद इजरायल में लड़ूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99% मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इजरायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताजा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, 'तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इजरायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99% है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उन्हें 'कोई जल्दी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हर कोई कह रहा है, 'ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं।' आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, न कि बहुत ज्यादा।' पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, 'वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।' उन्होंने यह दावा भी किया कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ 'सही बर्ताव नहीं किया जाता है। ट्रंप ने कल ही ईरान को एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि 'एक और बड़ा हमला' हो सकता है।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्ती की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्ती नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्ती भी मारा गया है। झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को क्वेटा छावनी का दौरा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान क्वेटा स्थित कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहत के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है।

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान, चीन से अरबों डॉलर की मांगी फंडिंग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

गाजीपुर से किया बड़ा ऐलान : बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान' की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है। सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी पर) में पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है। चीन दौरे पर टिकी नजरें, अरबों डॉलर की डील संभव तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फरक्का बैराज पर क्या बोले रहमान : देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया। रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है। इसका सीधा असर सुंदरबन समेत कई इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, 'खारापन बढ़ने से कई पेड़-पौधे नष्ट हो रहे हैं और जानवर विलुप्त होने की कगार पर हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। भारत के साथ जल बंटवारा और अटका हुआ समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दोनों देश इस समझौते पर सहमत तो हो गए थे, लेकिन पश्चिम बंगाल के विरोध के चलते इस पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। बताया गया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस समझौते का विरोध किया था। रहमान के ऐलान और चीन की एंट्री से भारत पर इसका क्या असर होगा? बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि यह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। भारत पर इसके संभावित असर को इन चार मुख्य बिंदुओं में समझा जा सकता है: 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) की सुरक्षा पर सीधा खतरा भारत की सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा को लेकर है। तीस्ता नदी का क्षेत्र भारत के रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के बेहद करीब है। यह 60 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा संकरा रास्ता भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता है। इस प्रोजेक्ट के बहाने नदी प्रबंधन, निर्माण और इंजीनियरिंग के नाम पर चीन की सरकारी कंपनियों (जैसे-पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना) और चीनी इंजीनियरों की इस इलाके में मौजूदगी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा 'रेड फ्लैग' है। कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए बड़ा झटका यह कदम जल कूटनीति में भारत के लिए एक कड़े संदेश की तरह है।

'युद्ध नहीं, सम्मानजनक कूटनीति ही बेहतर रास्ता': ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका देश युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देता है। सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा अपने सभी दायित्वों का सम्मान किया है और युद्ध से बचने के लिए हर संभव रास्ता अपनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कूटनीतिक विकल्प अभी भी खुले हुए हैं।

दबाव से झुकाना भ्रम है- ईरान राष्ट्रपति : पेजेशकियन ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी देश को बल या दबाव के जरिए झुकाने की कोशिश करना एक भ्रम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की नीतियां लंबे समय में स्थायी समाधान नहीं दे सकतीं। उनके अनुसार, आपसी सम्मान के साथ की गई कूटनीति ही अधिक समझदारी भरा, सुरक्षित और स्थायी रास्ता है।

ईरान को ट्रंप की चेतावनी : रॉयटर्स ने ट्रंप के हवाले से कहा, सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है। लगभग सब कुछ। अब बस एक ही सवाल है, क्या हम जाकर इसे खत्म कर दें? क्या वे किसी दस्तावेज पर दस्तखत करने वाले हैं? चलिए देखते हैं क्या होता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि वह क्षेत्र में बड़े युद्ध की बजाय सीमित स्तर पर तनाव या हिंसा को बेहतर मानते हैं। उन्होंने कहा, आदर्श रूप से मैं यह देखना चाहूंगा कि बहुत ज्यादा लोगों की बजाय कम लोगों की जान जाए। हम इसे किसी दूसरे तरीके से भी कर सकते हैं, लेकिन मैं कम नुकसान देखना चाहूंगा। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण लोगों के बीच गुस्सा बढ़ रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ एक सीमित समझौते का मतलब लंबे समय के संघर्षविराम से है, जिसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोलना होगा। ट्रंप ने कहा कि हम इसे एक मौका देने जा रहे हैं। मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है। उन्होंने मध्यवर्ती चुनावों के राजनीतिक दबाव को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वे भारी तबाही के बजाय कम से कम जनहानि देखना चाहते हैं। उन्होंने ईरान की मौजूदा आंतरिक स्थिति पर कहा कि वहां की जनता बेहद खराब दौर से गुजर रही है और वहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश और अशांति का माहौल है। गौरतलब है कि अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। जवाब में ईरान ने इस्राइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार मिसाइल हमले किए। ईरान ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक कर दिया, जिससे दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

अमेरिका ने ईरान को कड़ा जवाब दिया है, जरूरत पड़ी तो और सख्ती करेंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कोस्ट गार्ड अकादमी के दीक्षांत समारोह में छात्रों की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की इमिग्रेशन और आर्थिक नीतियों का बचाव किया और ईरान को लेकर नई चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान को कभी परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। बुधवार को कनेक्टिकट के न्यू लंदन में 2026 की ग्रेजुएटिंग क्लास को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस समय दुनिया का सबसे चर्चित और ताकतवर देश बन चुका है। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि वे ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं, जब अमेरिका फिर से मजबूत स्थिति में है। ट्रंप ने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने देंगे। बात बिल्कुल साफ है। उनके पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होगा और वे समझौता करने के लिए बहुत बेचैन हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ने उन्हें काफी कड़ा जवाब दिया है और जरूरत पड़ी तो इससे भी ज्यादा सख्ती की जा सकती है। राष्ट्रपति ने अपने भाषण में कई बार कोस्ट गार्ड के हाल के ऑपरेशनों का जि?क्र किया और उन्हें ईरान, ड्रग तस्करी और समुद्री सुरक्षा के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई से जोड़ा। उन्होंने कहा कि कोस्ट गार्ड की टैक्टिकल टीमों ने ईरान से जुड़े प्रतिबंधित तेल जहाजों को पकड़ने में मदद की। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' में कोस्ट गार्ड की अहम भूमिका रही, ताकि ईरानी शासन कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। ट्रंप ने समुद्री कार्रवाई और ड्रग्स के खिलाफ अभियानों का भी ज?क्र किया। उन्होंने कहा कि उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से कोस्ट गार्ड ने घातक नशीली दवाओं की 20.6 करोड़ से ज्यादा खुराक जब्त की हैं। उन्होंने इसे समुद्र में बनी 'स्टील की दीवार' का अहम हिस्सा बताया। भाषण के दौरान ट्रंप ने राजनीति पर भी खुलकर बात की। उन्होंने पिछली सरकार की सीमा सुरक्षा नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका इतिहास की सबसे खराब सीमा स्थिति से निकलकर अब सबसे मजबूत बॉर्डर तक पहुंच गया है।

कौन बनेगा अमेरिका का अगला राष्ट्रपति? जेडी वेंस और मार्को रुबियो में ट्रंप की पसंद कौन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उत्तराधिकारी और साल 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार को लेकर अंदरूनी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। वाइट हाउस का प्रेस ब्रीफिंग रूम इन दिनों इस आगामी मुकाबले के लिए एक अनौपचारिक ऑडिशन स्टेज में तब्दील हो चुका है। दो हफ्ते पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो के पोडियम संभालने के बाद अब उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी मीडिया के सामने मोर्चा संभालते नजर आते हैं। वाइट हाउस की नियमित प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के मैटरनिटी लीव पर होने के कारण दोनों बड़े नेताओं को बैक-टू-बैक प्रेस ब्रीफिंग की जिम्मेदारी दी गई, जिसे विशेषज्ञ 2028 की दावेदारी के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। मंगलवार को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

ने लगभग एक घंटे तक पत्रकारों के तीखे और उलझाते सवालों का सामना किया। इस दौरान पत्रकारों के एक साथ चिल्लाने और सवाल पूछने की होड़ पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मार्को रुबियो बिल्कुल सही कह रहे थे, यह जगह वाकई किसी अराजकता से कम नहीं है।' वेंस ने पत्रकारों के बैठने की व्यवस्था पर भी हल्के-फुल्के अंदाज में मजाक किया। हालांकि, नीतिगत सवालों के जवाब देते समय उनका लहजा काफी नपा-तुला और संयत था। यह राष्ट्रपति ट्रंप की सीधी और आक्रामक शैली से अलग छाप छोड़ रहा था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेडी वेंस ने ट्रंप प्रशासन की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। वेंस ने ईरान के खिलाफ उठाए गए कदमों को सही ठहराते हुए प्रशासन के फैसले का बचाव किया। वहीं, राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार होने का दावा करने वाले ट्रंप के सहयोगियों को मुआवजा देने के लिए बनाए गए नए 1.7 अरब डॉलर के फंड को उन्होंने जायज ठहराया। ब्रीफिंग के दौरान जब एक पत्रकार ने वेंस को संभावित भावी उम्मीदवार कहकर संबोधित किया, तो वेंस ने तुरंत स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा, 'मैं कोई संभावित भावी उम्मीदवार नहीं हूं। मैं अभी देश का उपराष्ट्रपति हूं। मुझे अपना काम बेहद पसंद है और मैं इस जिम्मेदारी को जितनी अच्छी तरह से हो सके इसे निभाने की कोशिश कर रहा हूं।

वेंस या रुबियो, ट्रंप के मन में क्या है : भले ही जेडी वेंस और मार्को रुबियो दोनों ही 2028 की अपनी राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षाओं को सार्वजनिक रूप से तवज्जो नहीं दे रहे हैं, लेकिन खुद डोनाल्ड ट्रंप इस रेस को हवा देने में पीछे नहीं हैं। पिछले हफ्ते वाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित एक डिनर के दौरान ट्रंप ने मेहमानों का मूड भांपने के लिए पूछा, 'जेडी वेंस किसे पसंद हैं? और मार्को रुबियो किसे पसंद हैं?' दोनों ही नामों पर मेहमानों ने लगभग बराबर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। ट्रंप ने कहा कि अगर ये दोनों नेता एक साथ चुनावी मैदान में उतरें तो यह एक परफेक्ट टिकट होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी किसी एक को आधिकारिक समर्थन देना बहुत जल्दबाजी होगी।

ट्रंप की नीतियों के खिलाफ चीन-रूस मुखर, कहा- दुनिया बहुध्रुवीय हो रही है; गोल्डन डोम की भी निंदा

बीजिंग, एजेंसी। चीन-रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वर्चस्ववादी नीतियों की कड़ी निंदा की है। बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता के बाद जारी साझा बयान में दोनों देशों ने खुद को बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ऐसी दुनिया के समर्थक के रूप में पेश किया, जहां किसी एक देश का दबदबा न हो। चिनपिंग ने बिना अमेरिका का नाम लिए कहा कि दुनिया में एकाधिकार और वर्चस्ववादी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। दोनों देशों को मिलकर एकतरफा दादागिरी का विरोध करना चाहिए और अधिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी समकक्ष की इस बात को पुतिन ने रूस-चीन संबंधों के लिए अभूतपूर्व बताया। साथ ही कहा कि एक बहुकेंद्रित दुनिया बनाने की जटिल प्रक्रिया आकार ले रही है और रूस-चीन साझेदारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थिरता का बड़ा आधार है। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने पर एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

बीजिंग में पुतिन के ग्रेट हाल ऑफ द पीपल में औपचारिक स्वागत के बाद उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। ऐसे में लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। वहीं, पुतिन ने कहा, रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुख्य हितों की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। दोनों देशों ने रणनीतिक सहयोग मजबूत करने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थन में संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने संयुक्त घोषणापत्र में आधिकारिक तौर पर एकतरफा राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने का संकल्प लिया और पश्चिमी रणनीतिक, रक्षा और सुरक्षा रियोजनाओं की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार का समर्थन किया। इसमें कहा गया है कि सभी द्विपक्षीय निर्यात-आयात अब अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पश्चिमी वित्तीय प्रतिबंधों से बचाने के लिए सीधे रूबल और युआन में किए जाएं। पुतिन-जिनपिंग ने बहुध्रुवीय दुनिया की वास्तविकताओं को दिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के संशोधन करने पर जोर दिया है। संयुक्त घोषणापत्र ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे गैर-पश्चिमी मंचों के जरिए वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देता है। रूस ने चीन को बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति का वादा किया है, जबकि दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग में एकतरफा हस्तक्षेप की निंदा की और समुद्री बुनियादी ढांचे को राजनीतिकरण से मुक्त रखने की अपील की।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है।

क्या है यूएसएस निमित्ज़ स्ट्राइक ग्रुप में खास : अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्हस पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है।

1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी।

ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर बढ़ाया दबाव : रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल क्यूबा अमेरिकियों के लिए, बल्कि क्यूबा से आए उन लोगों के लिए भी एक बहुत बड़ा क्षण था, जो क्यूबा वापस जाना चाहते हैं, क्यूबा में अपने परिवार से मिलना चाहते हैं।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता के नाम स्पेनिश भाषा में संदेश जारी किया। उन्होंने क्यूबा की कम्युनिस्ट सरकार को बिजली संकट और आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। रुबियो ने अमेरिका की ईंधन नाकेबंदी नीति का भी समर्थन किया। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हाल ही में क्यूबा अधिकारियों से मुलाकात की थी। उन्होंने साफ कहा कि बातचीत की संभावना हमेशा खुली नहीं रहेगी।

पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर अमेरिका ने दर्ज किया आपराधिक मामला, ट्रंप बोले- हम क्यूबा को आजाद करा रहे

मियामी, एजेंसी। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने बुधवार को क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की घोषणा की। राउल कास्त्रो पर 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह के नागरिक विमानों को मार गिराने के मामले में आपराधिक आरोपों की घोषणा की गई। यह मामला 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' नामक समूह द्वारा संचालित दो छोटे विमानों को गिराए जाने से जुड़ा है। उस समय राउल कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। उन पर हत्या और विमान नष्ट करने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और न्याय विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मियामी में आयोजित एक कार्यक्रम में इस मामले की घोषणा की। यह कार्यक्रम विमान हादसे में मारे गए लोगों की स्मृति में आयोजित किया गया था।

मुकदमे पर क्या बोले ट्रंप : कास्त्रो पर अभियोग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मियामी की क्यूबा भाषी आबादी और निश्चित रूप से मियामी से परे भी अटॉर्नी जनरल ने आज जो किया उसकी सराहना करते हैं। क्यूबा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।' वहीं, क्यूबा में तनाव बढ़ने की आशंका पर ट्रंप ने कहा, 'नहीं। तनाव नहीं बढ़ेगा। उन्होंने वास्तव में क्यूबा पर अपना नियंत्रण खो दिया है।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को आजाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पूर्व क्यूबा के राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के अभियोग के बाद क्यूबा के लोगों की मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि द्वीप राष्ट्र में सीआईए की उपस्थिति और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की क्यूबा से जुड़ी जड़ों के कारण अमेरिका को क्यूबा के बारे में महत्वपूर्ण विशेषज्ञता प्राप्त है।

क्यूबा के राष्ट्रपति ने ट्रंप पर साधा निशाना : क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल बर्मुडेज ने अभियोग की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह

केवल क्यूबा क्रांति के अडिग संकल्प के प्रति अमेरिका के अहंकार और हताशा को उजागर करता है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यह एक राजनीतिक पैंतरा है, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। इसका एकमात्र उद्देश्य उस मनगढ़ंत दस्तावेज को पुख्ता करना है जिसका उपयोग वे क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण की मूर्खता को उचित ठहराने के लिए करते हैं।' गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्यूबा पर दबाव बढ़ाने की बात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद क्यूबा के खिलाफ ईंधन आपूर्ति रोकने सहित कई कदम उठाए थे, जिससे वहां बिजली संकट और आर्थिक दबाव बढ़ा।

क्यूबा और अमेरिका के बीच वार-पलटवार जारी : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा की जनता से नई नेतृत्व व्यवस्था और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की मांग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अमेरिका क्यूबा के साथ संबंधों में नया अध्याय शुरू करने के लिए तैयार है। वहीं, क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस एफ डी कोसियो ने मार्को रुबियो के बयान पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि वह क्यूबा के बारे में बार-बार गलत दावे कर रहे हैं और देश के लोगों के खिलाफ आक्रामक नीतियों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि राउल कास्त्रो के अमेरिका की हिरासत में आने की संभावना फिलहाल नहीं दिखती। उन्होंने 2006 में अपने भाई फिदेल कास्त्रो से सत्ता संभाली थी और 2018 में सत्ता हस्तांतरित कर दी थी। हालांकि, 2021 में कम्युनिस्ट पार्टी प्रमुख पद छोड़ने के बाद भी उन्हें पर्दे के पीछे प्रभावशाली माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 1995 से 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' समूह के विमान हवाना के ऊपर उड़ान भरकर क्यूबा सरकार के खिलाफ पर्चे गिराते थे। क्यूबा ने अमेरिकी सरकार से इस पर आपत्ति जताई थी और चेतावनी दी थी कि वह अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा करेगा। 24 फरवरी 1996 को रूसी निर्मित मिग-29 लड़ाकू विमानों ने हवाना के उत्तर में क्यूबा के हवाई क्षेत्र के पास दो निहत्थे सेसना विमानों को मार गिराया था। इस घटना में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई थी। पूर्व संघीय अभियोजक गाय लुईस ने कहा कि जांच के दौरान क्यूबा के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े संबंधों के प्रमाण मिले थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)